



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 265]  
No. 265]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, नवम्बर 6, 2003/कार्तिक 15, 1925  
NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 6, 2003/KARTIKA 15, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2003

विषय :—चीन जनवादी गणराज्य से धातुकर्मीय कोक के आयात के संबंध में पाटनरोधी शुल्क की अन्तिम समीक्षा सम्बन्धी पाटनरोधी जांच—अन्तिम निष्कर्ष।

सं. 14/13/2002-डीजीएडी.— 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति-निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए ;

क. प्रक्रिया:

अन्तिम समीक्षा संबंधी जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनायी गई है—

- i. सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 और उसके तहत बनी नियमावली में प्राधिकारी से अपेक्षा है कि वे पाटनरोधी शुल्क जारी रखने की आवश्यकता की समय-समय पर समीक्षा करें। प्राधिकारी को संबद्ध माल के आयातकों/प्रयोक्ताओं अर्थात् मै0 नवभारत फेरो अलायज लिमिटेड, हैदराबाद और मै0 फेयरडील सप्लाइज प्रा0 लि0, अहमदाबाद से पाटन मार्जिन कम करने और संबद्ध देश से संबद्ध माल के आयात से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं होने के आशय के अभ्यावेदन प्राप्त हुए थे। मै0 इण्डियन मैटेलार्जिकल कोक मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन (इमकाम), नई दिल्ली जिसमें मूल याचिकाकर्ता मै0 बीएलए भी शामिल है, ने घरेलू उद्योग को हो रही लगातार क्षति को

देखते हुए पांच वर्षों की अवधि समाप्त हो जाने के पश्चात् पाटनरोधी शुल्क जारी रखने का अनुरोध किया था ।

- ii) इमकाम के आवेदन को मै0 इण्डस्ट्रीज एण्ड कामर्स एसोसिएशन, धनबाद, सह-याचिकाकर्ता (जिसे इसके बाद आईसीए कहा गया है) का समर्थन प्राप्त था ।
- iii) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस आशय की अन्तिम समीक्षा आरंभ की कि क्या पाटनरोधी शुल्क समाप्त करने के फलस्वरूप सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 की धारा 9क(5) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति-निर्धारण) नियमावली, 1995 के अनुसार पाटन तथा क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना होगी और चीन जनवादी गणराज्य मूल अथवा वहां से निर्यातित धातुकर्मीय कोक के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगातार लगाए जाने की आवश्यकता है ।
- iv) प्राधिकारी ने भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 7 मई, 2002 की एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसमें चीन (जिसे इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित धातुकर्मीय कोक पर पाटनरोधी शुल्क की अन्तिम समीक्षा संबंधी पाटनरोधी जांच आरंभ की गई । धातुकर्मीय कोक सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 1 के सीमाशुल्क शीर्षक 27.04 के तहत वर्गीकृत है ।
- v) प्राधिकारी ने सभी निर्यातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ताओं ने उपलब्ध कराए थे और और जिन्होंने मूल जांच में सहभागिता की थी) और उद्योग संघों को सार्वजनिक सूचना की एक-एक प्रतिलिपि अग्रेषित की और उन्हें नियम 6(2) के अनुसार अपने-अपने विचार लिखित रूप में देने का एक अवसर दिया था ।
- vi) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक-एक प्रति भारत में सभी ज्ञात आयातकों को अग्रेषित की और उन्हें सलाह दी कि वे पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने-अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत कर दें ।

- vii) प्राधिकारी ने सभी इच्छुक पक्षकारों को इस बात का अवसर दिया कि वे अपने-अपने विचार मौखिक रूप से दिनांक 13 नवम्बर, 2002 को प्रस्तुत करें। मौखिक रूप से अपने-अपने विचार प्रस्तुत कर रहे सभी पक्षकारों से अनुरोध किया गया कि वे मौखिक रूप से व्यक्त अपने-अपने विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत करें। पक्षकारों को सलाह दी गई कि वे विरोधी पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों की प्रतियां एकत्र कर लें और उन पर अपना खंडन, यदि कोई हो, ऑफर करें।
- viii) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार याचिका की एक-एक प्रति ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देश के दूतावास को उपलब्ध कराई। याचिका की एक प्रति अनुरोध पर इच्छुक पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई।
- ix) नियम 6(2) के अनुसार, जांच आरंभ किए जाने की सूचना नई दिल्ली में सबद्ध देश के दूतावास को दी गई थी और उनसे अनुरोध किया गया था कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को यह सलाह दें कि वे प्रश्नावली का प्रत्युत्तर निर्धारित समय के भीतर भेज दें। उन निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका तथा प्रश्नावली की एक-एक प्रति ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की एक सूची के साथ उक्त दूतावास को भी भेजी गई।
- x) प्रश्नावली की एक-एक प्रति भारत में धातुकर्मीय कोक के निम्नलिखित निर्यातकों/आयातक/प्रयोक्ता/उत्पादक को नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भेजी गई:-
- नवभारत फेरो एलायस लि०
  - फेयरडील सप्लायर्स प्रा० लि०, अहमदाबाद
  - इंडियन मेटालर्जिकल कोक मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन (इमकॉम), नई दिल्ली
  - इंडस्ट्रीज एंड कॉमर्स एसोसिएशन, धनबाद (आईसीए)
  - एल्काली मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन
  - दि इंडियन फेरो अलायस प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन
  - एसोसिएशन ऑफ इंडियन मिनी-ब्लास्ट फर्नेशेस (एआईएम)
  - सतारवर्धना इस्पात लि०, हैदराबाद
  - सेसा केम्बला कोक कं० लि०

- लीगन ए इंडस्ट्रीज लि०
- गुजरात एनआरई कोक लि०
- सौराष्ट्र फ्यूल्स लि०
- अंताई बालाजी कोक प्रा० लि०
- दुर्गापुर प्रोजेक्ट्स लि०
- सदरन फ्यूल्स लि०
- किलोस्कर फेरॉस इंडस्ट्रीज, पुणे
- टिस्को लि०, बम्बई
- सेसा इंडस्ट्रीज लि०, गोवा
- उषा इस्पात लि०, नई दिल्ली
- उषा बेल्ट्रान इंडस्ट्रीज लि०, कलकत्ता
- सदरन ऑयरन एंड स्टील कं० लि०, कोयम्बतूर
- सौराष्ट्र केमिकल्स लि० पोरबंदर
- गुजरात हेवी केमिकल्स लि०
- हिन्दुस्तान जिंक लि०
- इंडियन मेटल्स एंड फेरो एलायस लि०
- एपेरेन्ट आयरन एंड स्टील प्रा० लि०
- सेल
- कलिंगा वर्क
- फाकोर
- कुद्रेमुख ऑयरन एंड स्टील कं० लि०
- आरआईएनएल
- कल्याणी फेरो
- जिंदल स्ट्रिप्स
- जायँसवाल नेको लि०
- मित्सुबिसु
- मिनमेटल्स टाउनलॉर्ड टेक्नोलॉजी कं० लि०, बीजिंग
- सिनोकेम इंटरनेशनल कं० लि० शंघाई
- सीएनसी कोक कं० केमिकल्स लि०

- चाइना मेटालर्जिकल इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट हेबेई कं०
- चाइना नार्थ इंडस्ट्रीज कार्पोरेशन
- शांग्शी मिनमेटल्स इंडस्ट्रियल एंड ट्रेडिंग कं० लि०
- शंघाई कुकिंग एंड केमिकल कार्पोरेशन
- शंघाई बायोस्टील इंटरनेशनल इकॉनामी एंड ट्रेडिंग कं०
- शांग्सी अंताई इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं० लि०
- शांग्सी रिसोर्सिज इंटरनेशनल कार्पोरेशन
- शांग्सी कुकिंग लिमिटेड कं०

अनेक पक्षकारों ने समयावधि बढ़ाने का अनुरोध किया जिसकी प्राधिकारी द्वारा दो सप्ताह की अनुमति दी गई ।

इसके अतिरिक्त, धनबाद इण्डस्ट्रियल वर्क्स यूनियन ने भी निवेदन किए थे ।

- xi) याचिकाकर्ता से क्षति संबंधी अतिरिक्त जानकारी मांगी गई जो उन्होंने प्रस्तुत कर दी थी ।
- xii) प्राधिकारी ने भारत में धातुकर्मीय कोक के उत्पादकों के परिसरों में मौके पर जांच की ।
- xiii) प्राधिकारी ने विभिन्न पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपान्तर उपलब्ध रखा जिसे प्राधिकारी द्वारा कायम सार्वजनिक फाइल के रूप में रखा गया था और इसे इच्छुक पक्षकारों द्वारा निरीक्षणार्थ खुला रखा ।
- xiv) सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धान्तों (जीएएपी) तथा याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत जानकारी के आधार पर भारत में इष्टतम उत्पादन-लागत और संबद्ध माल के विनिर्माण तथा बिक्री की लागत की गणना करने हेतु लागत जांच की गई ताकि यह पता लगाया जाए कि क्या पाटन मार्जिन की अपेक्षा कम पाटनरोधी शुल्क लगाना घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त रहेगा ।

xv) इस अधिसूचना में \*\*\*\* पर एक इच्छुक पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई जानकारी दर्शायी गई है और इसी पर प्राधिकारी ने नियमावली के तहत विचार किया ।

xvi) उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए आवश्यक तथ्यों/आधार का खुलासा ज्ञात पक्षकारों को किया गया और उस पर प्राप्त टिप्पणियों पर भी इन निष्कर्षों में विधिवत् विचार किया गया । प्रकटन वक्तव्य पर प्रत्युत्तर प्रस्तुत करने हेतु चीन के सात निर्यातकों के प्रतिनिधि मै0 सिंघानिया एण्ड कं0, मै0 उषा बेल्ट्रान लि0 (प्रयोक्ता/आयातक), मै0 फेयरडील सप्लाईज (आयातक) और एसोसिएशन ऑफ इण्डियन मिनी ब्लास्ट फर्नेस (आयातक तथा प्रयोक्ता) के अनुरोध पर आठ दिनों (दि0 17 अक्टूबर, 2003 तक ) की समयावधि बढ़ाई गई ।

xvii) जांच दिनांक 1 अप्रैल, 2001 से आरंभ 31 मार्च, 2002 तक की अवधि के लिए की गई ।

xviii) निम्नलिखित संक्षिप्त रूपों का प्रयोग किया गया -

मैटकोक/कोक	धातुकर्मीय कोक
चीन	चीन जनवादी गणराज्य
प्राधिकारी	निर्दिष्ट प्राधिकारी
एमबीएफ	मिनी बलास्ट फर्नेस
आईसीए	इण्डस्ट्रीज एण्ड कॉमर्स
	एसोसिएशन, धनबाद
एलएएमसी	कम राखयुक्त धातुकर्मीय कोक
एआईएम	एसोसिएशन ऑफ इण्डियन
	मिनी ब्लास्ट फर्नेसेज
इमकाम	इण्डियन मेटलर्जिकल
	कोक मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन
यूएसडी	अमरीकी डालर
अन्तिम निष्कर्ष	चीन जनवादी गणराज्य से धातुकर्मीय
	कोक के आयात संबंधी निर्दिष्ट
	प्राधिकारी की दिनांक 27 अगस्त, 1998

प्रारंभिक मामला/जांच

की अन्तिम निष्कर्ष अधिसूचना  
सं० 8/2/97-एडीडी  
चीन से धातुकर्मीय कोक के आयात  
के संबंध में प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी  
जांच(8/2/97-एडीडी)जिसके अन्तिम  
निष्कर्षों को दि० 27 अगस्त 1998 को  
अधिसूचित किया गया ।

xix) कोक उत्पादकों, ढलवां लोहा विनिर्माताओं और लौह मिश्रधातु उत्पादकों के साथ सचिव (इस्पात) की अध्यक्षता में दिनांक 17.9.1998 को हुई बैठक के कार्यवृत्त और मिनी ब्लास्ट फर्नेसेज के प्रतिनिधियों तथा धातुकर्मीय कोक के उत्पादकों के साथ दिनांक 25.11.99 को सचिव (इस्पात) द्वारा ली गई बैठक के कार्यवृत्त में निम्नलिखित मुद्दे कवर किए गए:-

क) अन्तिम निष्कर्ष में अभिज्ञात चार उत्पादकों सहित भारत में सभी कोक उत्पादक 15% से कम राख वाले मेटकोक का उत्पादन करने में सक्षम हैं ।

ख) कोक उत्पादकों ने तंत्र तैयार करने हेतु ढलवां लोहा विनिर्माताओं तथा लौह मिश्रधातु उत्पादकों की ऑफर स्वीकार कर दी जिसके अनुसार उत्पादित मेटकोक की खरीद ढलवां लोहा विनिर्माताओं तथा लौह मिश्र धातु उत्पादकों द्वारा एक सहमत कीमत पर की जा सकती ताकि उन्हें आयातित कोक से क्षति नहीं हो सके ।

ग) कोक उत्पादकों के उत्पादन के मात्र 20% भाग की ढलवां लोहा तथा लौह मिश्रधातु उद्योगों द्वारा खपत की जाती है और मूलरूप से ढलवां लोहा तथा लौह मिश्र धातु से इतर उद्योगों द्वारा चीन के कोक के प्रयोग के कारण भारत में कोक उद्योग को क्षति हुई है ।

घ) दिनांक 25.11.99 को हुई बैठक में इमकाम तथा एआईएम में इस बात पर सहमति हुई कि ब्लास्ट फर्नेस एकक की वह प्रमुख बाजार नहीं हैं जिसकी जरूरत घरेलू उद्योग उत्पादक पूरी करे । जिस बाजार की जरूरत घरेलू कोक उद्योग <sup>पूरी</sup> करता है उसमें ये शामिल हैं - लौह एवं अलौह फाउन्ड्रीज, लौह मिश्रण उत्पादक, सोड़ा ऐश उत्पादक, जिक स्मेल्टिंग यूनिट, कुछ अन्य रसायन यूनिट तथा विभिन्न लघु उद्योग यूनिट ।

ड.) एआईएम, ~~इमकाम~~ इस बात पर सहमत हुए कि यदि सरकार ब्लाट फर्नेस उद्योग को पाटनरोधी शुल्क से छूट देती है तो मेटकोक का आयात एडीडी के बिना ब्लाट फर्नेस उद्योग के लिए वास्तविक प्रयोक्ता शर्तों पर ओजीएल पर किया जाएगा, ऐसी छूट का उपयोग कर रहे एकक अपने आयातित कोक की बिक्री/ऋण/लाइसेंस/ किसी भाग के बदले में उपहार में ब्लास्ट फर्नेस उद्योग से इतर किसी एकक को किसी भी परिस्थिति में नहीं दे सकेंगे। ऐसे बेशी/अस्वीकृत कोक, यदि कोई हो, की ऑफर पहले पूर्णतया इमकाम के सदस्यों को की जानी चाहिए। किन्तु, एककों द्वारा कोक ब्रीज 0-12 एमएम का निपटान सामान्य सन्तोषजनक स्तर के भीतर अनुमेय मात्रा में किया जा सकता है।

च) इमकाम ने दोहराया है कि चीन के उद्भव के मेटकोक पर पाटनरोधी शुल्क जारी रखना घरेलू कोक विनिर्माताओं के कायम रहने के लिए अत्यावश्यक है।

#### XX) घटनाओं का काल क्रम

तारीख	घटना
28 अगस्त, 1997	प्राधिकारी द्वारा जांच का आरंभ
20 मार्च, 1998	प्राधिकारी द्वारा चीन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सभी प्रकार के मेटकोक पर 1800 रु० प्रति मी० टन की दर से प्रारंभिक शुल्क की सिफारिश
6 मई, 1998	प्राधिकारी की गई सिफारिशों को स्वीकार किया जाना और वित्त मंत्रालय द्वारा निश्चित शुल्कों का लगाया जाना
27 अगस्त, 1998	प्राधिकारी द्वारा 4673/-रु० और आयातित मेटकोक के पत्तन पर माल उतरते समय के मूल्य के बीच अन्तरस्वरूप अन्तिम शुल्क की सिफारिश
2 सितंबर, 1998	प्राधिकारी द्वारा 692/-रु० का न्यूनतम शुल्क लगाते हुए शुद्धि-पत्र
14 अक्टूबर, 1998	दिनांक 27 अगस्त, 1998 के अन्तिम निष्कर्षों में संशोधन - आयात का पत्तन पर माल उतरते समय का मूल्य सीमा शुल्क विभाग द्वारा सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के तहत यथा निर्धारित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 क, 8 ख, 9 तथा 9 क के तहत लगाए गए



	शुल्कों से इतर सभी शुल्क शामिल होंगे ।
27 अक्टूबर, 1998	केवल दिनांक 27-8-1998 को की गई सिफारिशों को स्वीकार करना और 4673/-रु० तथा आयातित मेटकोक की पत्तन पर माल उतरते समय की कीमत के बीच के अन्तर के बराबर का निश्चित शुल्क लगाना । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा दिनांक 2.9.1998 को की सिफारिशों के अनुसार वित्त मंत्रालय द्वारा कोई न्यूनतम शुल्क नहीं लगाया गया था ।
21 जनवरी, 2000	अन्तिम सीगाट आदेश - पाटनरोधी शुल्क अमरीकी डालर में तय करना .
19 मई, 2000	ढलवां लोहा विनिर्माताओं अथवा ब्लास्ट फर्नेस प्रयोक्ता इस्पात एककों को वित्त मंत्रालय द्वारा सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 25(1) के तहत पाटनरोधी शुल्क से छूट
3 जनवरी, 2003	ब्लास्ट फर्नेस अथवा कोरेक्स तकनालॉजी प्रयोक्ता ढलवां लोहा तथा इस्पात विनिर्माताओं और लौह मिश्रण विनिर्माताओं को पाटनरोधी शुल्क से छूट

#### ख. 1.क. आयातक/प्रयोक्ता के विचार

- क) विचाराधीन उत्पाद के दायरे में कोक के राख अंश, आर्द्रता तथा आकार के संबंध में भारत में आयातित उत्पाद हो ।
- ख) घरेलू उत्पाद और आयातित उत्पाद एक दूसरे की स्थापन्न वस्तु अथवा परस्पर परिवर्तनीय नहीं हैं ।
- ग) कोक में फास्फोरस अंश की भूमिका लौह मिश्रण उद्योग में महत्वपूर्ण है ।
- घ) चीन से आयातित वाले फास्फोरस युक्त कोक के समान वस्तु नहीं है ।
- ङ) घरेलू उद्योग प्रतिनिधि नहीं है ।
- च) भारतीय उत्पादक कुछ घरेलू मांग की कम मात्रा की जरूरत पूरी करता है ।
- छ) घरेलू उद्योग संबंधी कारक कोई क्षति नहीं दर्शाते हैं और उसमें कोई कारणात्मक संबंध प्रतीत नहीं होता है ।
- ज) घरेलू कोक उद्योग द्वारा यह बात स्वीकार की गई है कि लौह मिश्रण उत्पादकों अथवा ढलवां लोहा उत्पादकों द्वारा किए जाने वाले आयात के कारण उन्हें कोई क्षति नहीं है ।

- झ) यदि पाटन सिद्ध हो जाता है तो शुल्क परिवर्तनीय आधार पर लगाया जाना चाहिए ।
- ट) ढलवां लोहे तथा लौह मिश्रण उद्योग को उनकी निश्चित जरूरत के आधार पर जनहित अन्तिम उपयोग-वार छूट दी जाए ।
- ठ) यदि कतिपय उद्योगों को अन्तिम उपयोग वार छूट दी जाती है तो रसायन जैसे अन्य क्षेत्रों को भी छूट दी जानी चाहिए ।
- ड) चीन से कोई पाटन नहीं हुआ है ।

### 1.ख प्रकटन विवरण-पत्र के प्रत्युत्तर में व्यक्त विचार

- क) लौह मिश्रण उत्पादक संघ ने पहले उठाए गए निम्नलिखित मुद्दों को दोहराया:
  - मेटकोक की कीमतों में 140-150 अमरीकी डालर की सीमा तक विस्तृत जांच अवधि-पश्चात् कारकों जैसी वृद्धि जबकि अन्तर्निविष्टि साधनों की कीमतों में वास्तविक एवं समानुपाती दृष्टि से परिवर्तन नहीं हुआ हो ।
  - 15% से कम वाले राख अंश का महत्व ।
  - फॉस्फोरस अंश का महत्व, जहां वांछित क्वालिटी का अन्तिम उत्पाद प्राप्त करने के लिए यह आवश्यक हो कि अधिकतम 0.066% फौस अंश वाला कोक लिया जाए ।
  - आर्द्रता अंश का महत्व ।
  - आकार का महत्व, जोकि 10 से 30 एम एम के बीच होना चाहिए ।
  - घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित मेटकोक तकनीकी अथवा वाणिज्यिक दृष्टि से स्थानापन्न योग्य नहीं है ।
  - भारतीय उत्पादक कुल मेटकोक जरूरत की मांग पूरी नहीं कर सकते हैं । यह देश की अधिकतम 20% मेटकोक जरूरत को ही पूरा करते हैं ।
  - सामान्यतया आयात से और विशेषरूप से लौह मिश्रण उत्पादकों द्वारा मेटकोक के आयात से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है । तकनालॉजी में अन्तर के फलस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति हुई है ।
  - सरकार ने लौह मिश्रण उद्योग तथा ढलवां लोहा उद्योग द्वारा चीन से किए गए मेटकोक के आयात पर पाटनरोधी शुल्क रद्द कर दिया है ।
  - यदि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना आवश्यक हुआ तो ऐसी स्थिति में यह परिवर्तनीय आधार पर लगाया जाए ।

ख) एसोसिएशन ऑफ इण्डियन मिनी ब्लास्ट फर्नेसेज ने पहले उठाए गए अधिकांश मुद्दों को दोहराते हुए विस्तृत प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया है।

- जांच-अवधि का चयन उपयुक्त नहीं था क्योंकि कीमतों में विश्वव्यापी वृद्धि केवल अप्रैल, 2002 के बाद ही हुई है।

- दिनांक 25.11.1999 को सचिव (इस्पात) द्वारा ली गई बैठक के कार्यवृत्त में कहा गया है कि 'एआईएम के सदस्यों की वित्तीय कठिनाई को देखते हुए इसका इस बात पर सहमत हुआ कि यदि सरकार ब्लास्ट फर्नेस उद्योग को पाटनरोधी शुल्क के दायरे से मुक्त करती है तो उन्हें इस पर कोई आपत्ति नहीं है।

- आयातित मेटकोक का स्थानापन्न भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित मेटकोक नहीं है और स्थानापन्नता पर संबंधित उत्पाद के अन्तिम प्रयोग से विचार किया जाए

- घरेलू उद्योग की क्षमता की गणना ठीक से नहीं की गई है क्योंकि ब्लास्ट फर्नेस उद्योग द्वारा अपेक्षित कम राख वाले कोयले की क्वालिटी के अनुसार घरेलू उद्योग का वर्गीकरण नहीं किया गया है। मै0 सेसा केम्बला मेटकोक का एक कैप्टिव उपोक्त है और बी सी सी एल तथा फर्टिलाइजर कार्पोरेशन ऑफ इंडिया दोनों ही बंद हो गये हैं।

- ब्लॉस्ट फर्निश द्वारा अपेक्षित मेटकोक की निश्चित क्वालिटी के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया गया है।

- प्राधिकारी ने यह नहीं बताया कि क्या निर्यात कीमत में मौजूदा विश्व-व्यापी रूख को ध्यान में रखा जाता है।

- कोई भी क्षति का कारण तर्क-संगत नहीं है।

- ए आई एम ने यह दोहराया है कि भारत में ब्लॉस्ट फर्निश उद्योग मौजूदा विश्व-व्यापी रूख के संदर्भ में पाटनरोधी शुल्क से छूट पाने के लिए आर्थिक तथा कानूनी दृष्टि से पात्र है।

इसके अतिरिक्त, निम्नलिखित तीन मुद्दों पर जोर दिया गया है:-

- नियम 4(ग)(ii), 13(1), 19 के तहत निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह शक्ति प्राप्त है कि वह अंतिम प्रयोग आधार पर कोई भी पाटनरोधी शुल्क केन्द्रीय सरकार को अनुशंसित करे।
- चीन जनवादी गणराज्य से मैटकोक के आयात द्वारा भारतीय उद्योग को होने वाली क्षति का निरुद्देश्य मूल्यांकन।
- मैटकोक की कीमतों में समूचे विश्व में अप्रैल, 2002 से वृद्धि हुई है और अब भी यह इस सीमा तक जारी है (इस समय 170 अमरीकी डालर सी आई एफ, भारतीय पत्तन) कि मैटकोक का कोई पाटन नहीं हो रहा है और घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है।

## 2. निर्यातकों के विचार

- क) चीन को भारत सरकार द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में मान्यता है।
- ख) घरेलू उत्पाद अथवा आयातित उत्पाद एक दूसरे के स्थानापन्न अथवा परस्पर परिवर्तनीय नहीं हैं क्योंकि उनमें अधिक फास्फोरस अंश है। यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि चीन से आयात जारी होने की बजाय पाटनरोधी शुल्क लगाया जा रहा है।
- ग) चीन से आयातित कम फास्फोरस कोक समान उत्पाद नहीं है।
- घ) घरेलू उद्योग प्रतिनिधि नहीं है।
- ड.) चीन के लिए सामान्य मूल्य की गणना गलत ढंग से की गई है और यह अपेक्षतया अधिक है। चीन से कोई पाटन नहीं हो रहा है।
- च) घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है और घरेलू उद्योग द्वारा पाटन तथा क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध सिद्ध नहीं हो पाया है।

## 2क. प्रकटन विवरण-पत्र के प्रत्युत्तर में निर्यातकों के विचार

- क) मै0 दुआ एसोसिएट्स निम्नलिखित चार निर्यातकों का प्रतिनिधित्व करते हैं -
  - शांग्हाई बाओस्टील इंटरनेशनल इकॉनामी एंड ट्रेडिंग कं0
  - शांग्शी अंताई इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं0 लि0
  - शांग्शी रिसोर्सिज इंटरनेशनल कार्पो0
  - शांग्शी कोकिंग लिमिटेड कं0

इन्होंने भारत को अब तक मेटकोक का निर्यात नहीं किया है फिर भी इन फर्मों को विशेष रूप से प्रत्युत्तर भेजने वाले निर्यातकों के रूप में मान लिया जाए और इन्हें अंतिम निष्कर्षों में 'सभी निर्यातकों' अथवा 'अन्य' की श्रेणी में शामिल नहीं किया जाए।

ख) मै0 शिंघानियां एंड कं0 निम्नलिखित सात निर्यातकों का प्रतिनिधित्व करते हैं-

- मिन मेटल्स टाउनलार्ड टेक्नोलॉजिज कं0 लि0, बीजिंग(पूर्ववर्ती चाइना नेशनल मिनरल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पोरेशन)
- सिनोकेम इंटरनेशनल कं0 लि0, शंघाई (नई कंपनी)
- सीएनसी कोक एंड केमिकल्स लि0 (पूर्ववर्ती चाइना नेशनल कोल इंडस्ट्री इम्प.एंड एक्स.कार्पो0)
- चाइना मेटलर्जिकल इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट हेबई कं0
- चाइना नार्थ इंडस्ट्रीज कार्पो0
- शांगशी मिनमेटल्स इंडस्ट्रियल एंड ट्रेडिंग कं0 लि0 (नई कंपनी)
- शंघाई कुकिंग एंड केमिकल कार्पो0 (पूर्ववर्ती शंघाई पेसिफिक केमिकल ग्रुप कं0 लि0)

इन में से केवल मै0 शंघाई कुकिंग एंड केमिकल कार्पो0 के पास अपनी विनिर्माण फैक्ट्री है। शेष 6 कंपनियां व्यापार कंपनियां हैं और इनकी अपनी विनिर्माण फैक्ट्री नहीं है।

- घरेलू उद्योग के पास ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है कि अनेक मामलों में चीन के निर्यातकों ने पाटनरोधी शुल्क का आशय शामिल नहीं किया है।

- यह बात गलत है कि चीन में कोयला तथा कोक क्षेत्र सरकार के नियंत्रणाधीन हैं।

- चीन की उपर्युक्त सभी 7 कंपनियां बाजार अर्थव्यवस्था दशाओं में काम करती हैं।

- उपर्युक्त 7 कंपनियों में से जिन्होंने मूल जांच में सहभागिता की उनमें से 3 कंपनियों के नाम बदल गये हैं(जैसा कि उपर्युक्त नए नामों के कोस्टकों में नाम दिए गए हैं), इस अंतिम समीक्षा में दो कंपनियां सहभागिता नहीं कर रही हैं और दो कंपनियों ने अपने पुराने नाम ही जारी रखे हैं।

- चीन की कंपनियों के मामले में पाटन मार्जिन बहुत अधिक रखा गया है ।

### 3. घरेलू उद्योग के विचार

(i) विचाराधीन उत्पाद - धातुकर्मीय कोक (जिसे मेटकोक भी कहा गया है)

(ii) उत्पाद का विवरण:

क) धातुकर्मीय कोक का वर्गीकरण सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के अध्याय 27 (उप शीर्ष 27.04) के तहत किया गया है । विचाराधीन उत्पाद के लिए आईटीसी (एचएस) वर्गीकरण 270400 है।

ख) उत्पाद का सामान्य विवरण

धातुकर्मीय कोक का उत्पादन आक्सीजन के अभाव में उच्च ताप जो सामान्यतया 1000 डिग्री सेंटीग्रेड के आसपास हो कोयले के बिना जलाए धातुकर्मीय (कोकिंग कोयला) भंजक आसवन द्वारा किया जाता है । उत्पादित धातुकर्मीय कोक मुख्य रूप से कुछ खनिज तथा अवशिष्ट वाष्पशील पदार्थ युक्त कार्बन होता है । मेटकोक का प्रयोग ऐसे उद्योगों में प्रारंभिक ईंधन के रूप में होता है जहां भट्टों अथवा फर्नेस में एकसमान तथा उच्च ताप होता है ।

मेटकोक का प्रयोग ढलवां लोहा, फाउन्ड्रीज, लौह मिश्रण, रसायन, एकीकृत इस्पात संयंत्रों तथा अन्य स्थानों सहित विभिन्न उद्योगों में किया जाता है ।

(iii) पाटन का साक्ष्य का पता वर्ष 1992-93 से चला है । पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद भी चीन द्वारा संबद्ध माल का भारत में पाटन जारी है । चूंकि पाटनरोधी शुल्क निर्धारित किए हुए हैं अतः ऐसा साक्ष्य मिला है कि चीन के निर्यातकों ने अनेक मामलों में पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने को आत्मसात कर दिया है ।

iv) भारत के मेटकोक उत्पादकों को मोटेतौर पर तीन श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है । प्रथम, वे जो मूलरूप से एकीकृत इस्पात संयंत्र हैं जैसे टिस्को, राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड तथा एस ए आई एल जो उत्पादित मेटकोक की कैप्टिव खपत करते हैं और संबद्ध देश से बड़े पैमाने पर आयात का सहारा लेते हैं । दूसरे, संगठित क्षेत्र के मेटकोक उत्पादक जो इमकाम के सदस्य हैं और/अथवा

इसमें याचिकाकर्त्ता हैं और तीसरे, बिहार, बंगाल तथा झारखंड में स्थित लघु क्षेत्र के उत्पादक हैं जिनका प्रतिनिधित्व उद्योग एवं वाणिज्य संगठन करते हैं जो इस याचिका का समर्थन कर रहे हैं।

v) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित माल आयातित माल के समरूप/समान हैं। याचिकाकर्त्ताओं द्वारा भारत में उत्पादित मेटकोक प्रत्यक्ष रूप से आयातित मेटकोक से परस्पर परिवर्तनीय है।

vi) चीन में कोयला तथा कोक क्षेत्र महत्वपूर्ण रूप से सरकार के नियंत्रण में जारी हैं।

vii) घरेलू उद्योग ने यह दिखाने का पर्याप्त साक्ष्य दिया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद भी पाटन होना जारी है। ऐसा अधिकांशतया इस तथ्य के कारण है कि चीन के निर्यातकों ने अपनी निर्यात कीमत में तदनुसार घटाकर पाटनरोधी शुल्क को आत्मसात कर दिया है।

viii) ये शुल्क समाप्त करने से निश्चित रूप से क्षति की पुनरावृत्ति होगी।

### 3. क. प्रकटन विवरण-पत्र के प्रत्युत्तर में घरेलू उद्योग के विचार:

- दिनांक 17.9.1998 को कोक उत्पादकों, ढलवां लोहा विनिर्माताओं तथा लौह मिश्रण उत्पादकों के साथ सचिव(इस्पात) की अध्यक्षता में हुई बैठक के कार्यवृत्त और दिनांक 25.11.1999 को मिनी ब्लास्ट फर्नेस के प्रतिनिधियों तथा धातुकर्मीय कोक उत्पादकों के साथ सचिव(इस्पात) द्वारा ली गई बैठक के कार्यवृत्त का हवाला देना संदर्भ से परे है और यह जानकारी विवादित है।

- समान वस्तु का मुद्दा तय हो गया है और चीन में प्रयुक्त तकनालॉजी दें कोई अन्तर नहीं है जिसके फलस्वरूप मेटकोक की क्वालिटी बढ़िया हो।

- भारत सरकार के उस निर्णय की जानकारी घरेलू उद्योग को नहीं है जिसके अनुसार चीन को बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में अधिसूचित किया गया हो।

- भारत में आकलित मूल्य अथवा कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण पूर्णतया औचित्यपूर्ण है।

- पाटनरोधी नियमावली के अनुच्छेद 4(1)(घ)के अनुसार पाटन मार्जिन के बराबर की राशि का शुल्क लगाया जाए ।
- घरेलू उद्योग के लिए एनआईपी अनुचित रूप से कम है ।
- इस कार्यवाही में निश्चित पाटनरोधी शुल्क लगा दिया जाए ।

### ग. विचाराधीन उत्पाद<sup>२</sup>

मौजूदा समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद धातुकर्मीय कोक है जो चीन जनवादी गणराज्य के मूल का अथवा वहां से निर्यातित हो जिसका विस्तृत विवरण मूल जांच के अन्तिम निष्कर्षों के पैरा-3 में निर्दिष्ट उत्पाद के रूप में है । उत्पाद विवरण ऐसी किसी भी तकनालॉजी के संदर्भ बिना है जिसका प्रयोग वसूली अथवा गैर-वसूली प्रक्रिया द्वारा मेटकोक के उत्पादन में किया गया हो । मूल जांच के अन्तिम निष्कर्ष इस प्रकार हैं -

3. मौजूदा जांच के कार्य क्षेत्र के तहत उत्पाद मैटालर्जिकल कोक (जिसका उल्लेख मेट कोक के नाम से भी किया गया है ) ।
4. मैटालर्जिकल कोक का उत्पादन आक्सीजन के अभाव में सामान्यतया कोयले को जलाए बिना लगभग 1000 डिग्री सेंटीग्रेड के उच्च ताप पर मैटालर्जिकल (कोकिंग कोल) के विनाशक आस्वन द्वारा किया जाता है । उत्पादित मैटालर्जिकल कोक कुछ खनिज तथा अवशिष्ट वोल्टाइल सामग्री सहित मुख्य रूप से कार्बन हैं । मेट कोक का इस्तेमाल ऐसे उद्योगों में प्राइमरी ईंधन के रूप में किया जाता है जहां भट्टों अथवा फर्नेसिस में समान तथा उच्च तापमान की आवश्यकता होती है ।
5. मैटालर्जिकल कोक को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 27 (34 शीर्ष 27.04 के तहत) वर्गीकृत किया गया है । लेकिन यहां इस उत्पाद का दिया गया वर्गीकरण, विनिर्माण प्रक्रिया तथा उपयोग केवल संकेतात्मक हैं और विचाराधीन उत्पाद के कार्य क्षेत्र में बाध्यकारी नहीं हैं ।



6. मैटकोक को पिग आयरन, फाऊंड्रिस, फेरो एलोय, रसायन, एकीकृत स्टील संयंत्र व अन्य सहित विभिन्न उद्योगों में प्रयोग किया जाता है ।
7. आयातकों द्वारा यह विचार रखा गया कि जांच प्रारंभ होने के समय विचाराधीन उत्पाद "कम राख वाले कोयले से बने मैटाल्यूरजिकल कोक" था जबकि प्रारंभिक जांच में इस उत्पाद को "मैटाल्यूरजिकल कोक" के रूप में वर्णित किया गया और इस प्रकार प्राधिकारी ने जांच का दायरा बढ़ा दिया । तथापि, यह देखा जा सकता है कि जांच के सभी इच्छुक पक्ष हर प्रकार से पूरी तरह सहमत थे कि भारत में पाटित किए जा रहे आरोपित चीनी कोक में अल्प मात्रा में राख के अव्यव हैं । इसलिए, प्राधिकारी ने विचार किया कि जांच के क्षेत्र में किसी प्रकार का विस्तार नहीं हुआ है और चीन जन. गणराज्य में सृजित तथा वहां से निर्यातित सभी प्रकार के मैटाल्यूरजिकल कोक वर्तमान जांच के दायरे में आता है ।"

प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद के संबंध में सनसैट रिव्यू के लिए निर्धारित जांच अवधि में हालात में किसी प्रकार के परिवर्तन नहीं हुए । चीन से आ रहे मैटकोक पर पाटन रोधी शुल्क लगाने के संबंध में सनसैट रिव्यू आरंभ करने के लिए 7 मई 2002 को आरंभिक अधिसूचना जारी करने से पूर्व अप्रैल 2001 से मार्च 2002 के लिए एक वित्तीय वर्ष की जांच अवधि सीमित व अत्यंत उचित थी । आयातकों व प्रयोक्ताओं ने अप्रैल 2002 व उसके पश्चात् मैटकोक के निर्यात मूल्यों में बढ़ोतरी के मुद्दे को उठाया तथा कई पत्रिकाओं का संदर्भ दिया, जांच अवधि के पश्चात् बढ़ी हुई कीमतों को इंगित करने के लिए इस अवधि के बीजक प्रस्तुत किए तथापि, जांच के लिए जांच अवधि के दौरान के सभी संबंधित मापदण्डों को लिया जाएगा । जांच अवधि के पश्चात् के घटनाक्रमों को जांच अवधि के दौरान के अध्ययनों पर बिना किसी वास्तविक प्रभाव की प्रवृत्तियों के रूप में लिया जा सकता है । प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद (कम राख वाले मैटाल्यूरजिकल कोक) के क्षेत्र को उसी प्रकार बनाए रखा जाएगा जैसा कि इसे वास्तविक जांच में लिया गया था और केवल पाटनरोधी शुल्क को लगातार लागू करने की आवश्यकता के मुद्दे को सीमित किया जाएगा, जैसा कि सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के भाग 9ए(5) में उल्लिखित है, जैसे कि पाटन व क्षति के जारी रहने अथवा पुनरावर्तन इस प्रकार के शुल्क की समाप्ति के कारण नहीं बनते ।

### ग) समान वस्तु

नियम 2 (घ) के अनुसार, "समान वस्तु" को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है: -

"समान वस्तु" का अर्थ एक ऐसी वस्तु है जो भारत में पाटित जांचाधीन वस्तु से सभी प्रकार से समान या समरूप है अथवा इस प्रकार की वस्तु की अनुपस्थिति में कोई वस्तु जो यद्यपि सभी प्रकार से समान नहीं है परन्तु उसमें विचाराधीन वस्तुओं से मिलती-जुलती काफी विशेषताएं हैं।"

प्राधिकारी की वास्तविक जांच के अंतिम परिणामों में पाया गया है: -

"11. समान वस्तु" के मुद्दे के संदर्भ में, निर्यातकों व आयातकों द्वारा यह तर्क दिया गया कि उद्योग तथा वाणिज्य संघ (आईसीए) द्वारा उत्पादित मैटकोक में राख का अंश काफी अधिक है और इसलिए इसे चीन से आयातित मैटकोक के समान वस्तु के रूप में नहीं बुलाया जा सकता। यह भी कहा गया कि अन्य तकनीकी विशिष्टताएं भी इस हद तक भिन्न हैं कि प्रयोक्ता उद्योगों द्वारा चीनी कोक को आईसीए द्वारा उत्पादित मैटकोक के विकल्प के रूप में नहीं लिया जा सकता।

12. दूसरी ओर, प्रार्थियों द्वारा प्रस्तुत विस्तृत अभ्यावेदन में कहा गया है कि दो उत्पाद जो तकनीकी व व्यवसायिक रूप से विकल्प के योग्य हैं और इसलिए परिभाषा में वह समान वस्तु के दायरे में आती है। तथापि प्राधिकारी ने पाया कि दोनों प्रार्थी उद्योग तथा आयातक व निर्यातक इस पर सहमत हैं कि मैटकोक की एक प्रमुख विशेषता इसका राख का अव्यव है। भारतीय कोयले से बने कोक में 20% से 40% तक उच्च मात्रा की राख का अव्यव है। जबकि आयातित कोयले से बने कोक तथा स्वयं आयातित कोक में काफी कम मात्रा में राख का अव्यव है। इसलिए, दोनों ओर से प्रस्तुत वस्तुस्थिति है कि मैट कोक को विस्तृत रूप से दो वर्गों में बांटा जा सकता है नामतः भारतीय कोयले से बना कोक तथा आयातित कोक /आयातित कोयले से उत्पादित कोक। वास्तव में, प्राधिकारी ने पाया है कि पीआईएमए ने अपनी लिखित प्रस्तुति में भी उपर्युक्त वर्गीकरण बनाया है।

13. प्राधिकारी ने पाया है कि उपर्युक्त दोनो वर्गों में उत्पादन प्रक्रिया समान है और मैटकोक में राख का अव्यव, प्रयोग के लिए प्रयुक्त कोयले के प्रकार पर निर्भर करता है । कोयले के विभिन्न किस्मों के मिश्रण बनाने के लिए तैयार माल में राख के अव्यव को अपेक्षित स्तर तक लाने के लिए तैयार किया जाता है जो है मैटकोक । प्राधिकारी ने पाया कि ऐसी कई घटनाएँ हैं जहां ब्लास्ट भट्टियों में उच्च राख अव्यव वाले मैटकोक का प्रयोग किया जाता है यद्यपि उनमें कम राख वाले आयातित चीनी कोक का प्रयोग को प्राथमिकता दी जाती है । घरेलू उद्योग द्वारा किए गए दावे में पिग आयरन विनिर्माताओं द्वारा पूर्व में भारतीय कोयले से बने कोक का प्रयोग कर रहे थे, विशेषतौर से 1992 से पहले की अवधि में, जो अपरिवर्तित रहा है ।

14. उपर्युक्त को देखते हुए, प्राधिकारी ने निष्कर्ष निकाला कि सुझाव देने के लिए महत्वपूर्ण साक्ष्य हैं कि तकनीकी संघटन में उतार-चढ़ाव, विशेष रूप से राख के अव्यव, सभी प्रयोक्ता उद्योगों के लिए अधिक राख अव्यव वाले मैटकोक के प्रयोग को तकनीकी रूप से असंभव नहीं बनाते । यह तर्क कि प्रयोक्ता उद्योग द्वारा जांच अवधि के दौरान किसी प्रकार का आर्डर नहीं दिया गया है, चीनी मैटकोक के साथ भारतीय मैटकोक की तकनीकी पर्याप्तता के पहलू पर किसी प्रकार से प्रभावित नहीं करता । यहां तक कि तकनीकी विशेषज्ञों की राय भी वर्गीकृत रूप से नहीं कहती कि दोनों वर्गों का विकल्प के रूप में लिया जाना संभव नहीं है । विशेषज्ञों की यह राय मात्र इतना ही व्यक्त करती है कि पिग आयरन के उत्पादन में अधिक राख अव्यव वाले मैटकोक के प्रयोग से अधिक स्लैग (बचे हुए अव्यव) आदि पैदा होता है और एमबीएफ की व्यवसायिक व्यवहार्यता पूर्ण रूप से कम राख वाले चीनी मैटकोक के प्रयोग पर निर्भर करती है । प्राधिकारी ने पाया कि "समान वस्तु" का निर्धारण करने के लिए प्रतिस्थापित करना, जिसका अत्याधिक महत्व है और जो वास्तविक प्रतिस्थापन नहीं है, यह क्षति के विचार से संबद्ध घटक हो सकता है ।

15. कुछ प्रयोक्ता उद्योग समूह जैसे ड्यूकटाईल आयरन पाईप, फ़ैरो एलॉय के निर्माता ने इंगित किया है कि इनके द्वारा अपेक्षित मैटकोक में कुछ अन्य वास्तविक तथा रसायनिक गुण होने चाहिए । उदाहरणार्थ, ड्यूकटाईल आयरन पाईप उद्योग द्वारा इंगित किया गया कि उनके द्वारा अपेक्षित मैटकोक में फासफोरस के अंश 0.035% से कम होना चाहिए । जबकि यह सराहना भी की गई कि उद्योग विशेष की अपनी विशेष आवश्यकताएं हो सकती हैं, पाटनरोधी

नियम विशेष अंतःप्रयोक्ताओं के आधार पर आकलन की अनुमति नहीं देते जबकि विभिन्न प्रकार के प्रयोक्ता उद्योगों के लिए उच्च क्षमता के विकल्प संभव हैं । इसलिए प्राधिकारी विशेष आवश्यकताओं के साथ प्रयोक्ताओं के लिए किसी प्रकार का पृथक वर्गीकरण करने की स्थिति में नहीं है ।

16. उपर्युक्त को देखते हुए, प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया कि यहां तक कि यद्यपि आईसीए के सदस्य जो मुख्यतः मैटकोक उत्पादित करते हैं, जो कुछ प्रयोगों के लिए कम राख अंश वाले मैटकोक के लिए विकल्प के योग्य नहीं हैं, ये उत्पादक कम राख अंश वाले मैटकोक के विनिर्माण के लिए सक्षम हैं, जो उनके द्वारा प्रयोग किए जा रहे कोयले की गुणवत्ता व स्रोत पर निर्भर करता है। तथापि, यह भी पाया गया है कि आईसीए के सदस्यों ने उत्कृष्ट कोटि के भारतीय कोयले से अथवा आयातित कोयले के प्रयोग से बड़ी मात्रा में कम राख अंश वाले मैटकोक का उत्पादन नहीं किया था । तथापि, याचिकाकर्ता बीएलए इंडस्ट्रीज लि. ने घरेलू बाजार में अंतः प्रयोक्ताओं के एक विशेष भाग के लिए बड़ी मात्रा में कम राख अंश वाले मैटकोक का उत्पादन किया है ।

17. इसलिए, प्राधिकारी निर्धारित करते हैं कि केवल कम राख अंश वाले मैटकोक के उत्पादन हैं जो आयातित चीनी कोक की "समान वस्तु" है । निर्यातक/आयातकों का यह मत है कि अधिक राख अंश वाले मैटकोक पर समान वस्तु के रूप में विचार नहीं किया जाना चाहिए, इसमें अत्याधिक शक्ति है और इस मामले के तथ्यों व परिस्थितियों को देखते हुए इसे स्वीकार किया गया है ।

18. उपर्युक्त के अतिरिक्त, प्राधिकारी यह भी पाते हैं कि विदेश व्यापार महानिदेशक सामान्य अंतर्निवेश उत्पादन मानदण्डों, जिनमें पिग आयरन के (ब्लास्ट भट्टी) के उत्पादन के लिए एक इनपुट कम राख अंश वाला मैटकोक दर्शाया गया है (15% से कम राख अंश के साथ) । प्राधिकारी निर्यातकों आयातकों के साथ इस पर सहमत हुए कि केवल 15% और उससे कम राख अंश के मैटकोक, भारत में इसके उत्पादकों का ध्यान दिए बिना आयातित चीनी कोक की "समान वस्तु" है । इसलिए प्राधिकारी निष्कर्ष निकालते हैं कि 15% या उससे कम राख अंश के मैटकोक, भारत में इसके उत्पादकों पर ध्यान दिए बिना आयातित चीनी कोक "समान वस्तु" है ।

सनसैट रिव्यू की जांच अवधि के दौरान, समान वस्तु के मुद्दे पर परिस्थितियों में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं आया। उत्पादित मैटकोक की गुणवत्ता का सीधा निर्धारण कच्चे माल के तौर पर पकाने के कोयले के प्रयोग पर निर्भर है। अंत प्रयोग के आधार पर, मैटकोक की युक्तियुक्त गुणवत्ता विद्यमान प्रौद्योगिकी व क्षमता से उपलब्ध हो सकती है। विभिन्न प्रकार के प्रयोक्ता उद्योगों के लिए विभिन्न आकारों, बनावट संबंधी गुणों, आर्द्रता, राख, वाष्पीकरण अंश, फासफोरस तथा सल्फर सहित विचाराधीन उत्पाद की प्रतिस्थापनता, मिश्रण व अंतरपरिवर्तनशीलता की अत्याधिक मात्रा की संभावना है विशिष्ट व युक्तियुक्त आवश्यकताओं के साथ प्रयोक्ताओं द्वारा अपेक्षित संबद्ध वस्तुओं का प्रयोग अन्य प्रयोक्ताओं द्वारा किसी प्रकार के रूपान्तरण सहित अथवा इसके बिना कम युक्तियुक्त आवश्यकताओं के साथ, बशर्ते इस प्रकार की संबद्ध वस्तुओं की अधिप्राप्ति से कीमत संबंधी लाभ हो। इन परिस्थितियों के तहत, प्राधिकारी समान वस्तु की परिभाषा में बनाए रखेंगे (15% और इससे कम राख अंश सहित मैटकोक, इसके विनिर्माता पर ध्यान दिए बिना) जैसा कि सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 ए (5) में उल्लिखित है के अनुसार पाटनरोधी शुल्क को लागू रखने को जारी रखने की आवश्यकता की जांच के प्रयोजन के लिए मूल जांच में है, इस प्रकार के शुल्क पर ऐसी समाप्ति संबद्ध देश की संबद्ध वस्तुओं के पाटन व क्षति को जारी रखने अथवा पुनरावृत्ति को प्रेरित नहीं करती।

#### (घ) घरेलू उद्योग

1. प्राधिकारी ने दिनांक 27 अगस्त 1998 के अपने अंतिम जांच परिणामों में चार घरेलू उत्पादकों को घरेलू उद्योग के प्रतिनिधियों के रूप में रखा है नामतः मैसर्स बीएलए, मैसर्स सदरन फ्यूल्स, मैसर्स वेलमैन और मैसर्स गुजरात एनआरई। सनसैट रिव्यू की जांच अवधि में घरेलू उद्योग की निम्नलिखित संरचना उभरी है।

कंपनी का नाम	जांच अवधि 2001-02	कुल उत्पादकता प्रतिशत	राख का अंश
याचिकाकर्ता कंपनी			
बीएलए इंडस्ट्रीज़ लि.	78223	6.6	15% से कम

सीसा कैम्बला कोक क. लि.	102800#	8.8	15% से कम
गुजरात एनआरई कोक लि.	126953	10.8	15% से कम
अंताई बालाजी कोक प्रा. लि.	92606	7.9	15% से कम
सौराष्ट्र फ्यूल लि.	86788	7.4	15% से कम
	<b>487370</b>	<b>41.5</b>	
<b>सहायक कंपनियां</b>			
दुर्गापुर प्रोजेक्ट लि.	181088	15.5	दोनों ही प्रकार - 15% से अधिक एवं कम
सदर्न फ्यूल लि.	5168	0.4	15% से कम
इंडस्ट्रीज़ एंड कामर्स एसोसिएशन*	500000	42.6	15% से अधिक
	<b>686256</b>	<b>58.5</b>	
<b>याचिकाकर्ता व सहायकों का कुल योग</b>	<b>1173626</b>		

\* आकलित आंकड़े

# धरेलू बाजार में बिक्री की सीमा तक

इसमें वे कंपनियां नहीं शामिल हैं जो प्राथमिक रूप से अपनी खपत के लिए कोक का उत्पादन करते हैं नामतः आर.आई.एन.एल., सेल, टिस्को ।

याचिकाकर्ता कंपनियों तथा सहायक कंपनियों की "इमकॉम" के साथ सदस्यता की दावेदारी निम्नानुसार है :

		<u>इमकॉम</u>
1.	अंताई बालाजी कोक प्रा. लि.	हां
2.	बीएलए इंडस्ट्रीज़ लि.	हां
3.	गुजरात एनआरई कोक लि.	हां
4.	सौराष्ट्र फ्यूल प्रा. लि.	हां

5.	सीसा कैम्बला कोक क. लि.	नहीं
6.	सदर्न फ्यूल लि.	हां
7.	दुर्गापुर प्रोजेक्ट लि.	हां

प्राधिकारी समान वस्तु के प्रयोजन के लिए घरेलू उद्योग के रूप में "इमकॉम" सहित याचिकाकर्ता कंपनियों बीएलए इंडस्ट्रीज़ लि., सीसा कैम्बला कोक कंपनी लि., सौराष्ट्र फ्यूल्स लि., गुजरात एनआरई कोक लि., अंताई बालाजी कोक प्रा. लि. पर विचार करेंगे ।

#### (इ) पाटन संबंधी मार्जिन:

एक वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ :

- (i) सामान्य प्रकार के व्यापार में, समान वस्तु के लिए तुलनात्मक कीमत, जब ये निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए हो ।
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य प्रकार के व्यापार में समान वस्तु की बिक्री नहीं होती है अथवा निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में बाजार की विशेष स्थिति अथवा घरेलू बाजार में बिक्री की कम मात्रा के कारण, इस प्रकार की बिक्री यथोचित तुलना की अनुमति नहीं प्रदान करती तब सामान्य मूल्य या तो होगा:

(क) जब निर्यातक देश या क्षेत्र से एक उपयुक्त तीसरे देश को निर्यात किया जाए, समान वस्तु का वह तुलनात्मक अभ्यावेदित मूल्य, अथवा

(ख) जैसा उप-धारा (6) के तहत बनाए नियमों के अनुसरण में निर्धारित किया गया हो प्रशासनिक, बिक्री तथा सामान्य लागत व लाभों के लिए यथोचित योग सहित उत्पत्ति के देश में संबद्ध वस्तु के उत्पादन की लागत ।

बशर्ते कि उत्पत्ति के देश के अतिरिक्त किसी देश से वस्तु के आयात के मामले में और जहां यह वस्तु केवल निर्यातक देश से लाद कर भेजी गई हो अथवा ऐसी वस्तु निर्यातक देश में उत्पादित न हुई हो अथवा निर्यातक देश में किसी प्रकार का तुलनात्मक मूल्य न हो, तब उत्पत्ति के देश में इसके मूल्य के संदर्भ में सामान्य मूल्य को निर्धारित किया जाता है ।

प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9ए(1)(सी) के अनुसार सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजी ।

### बाजार अर्थव्यवस्था में सुधार

**प्राधिकारी द्वारा जांच :** प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य की गैर बाजार/बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी स्थितियों के तहत परिचालन के अनुसार सुधार के लिए निर्यातकों द्वारा की गई प्रस्तुति की जांच की ।

**(मामले के प्रारंभिक अवधि में भारतीय कानून के तहत स्थिति):**

नियम 8(1) "गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश" शब्द का अर्थ है उप पैरा(3) में वर्णित मानदंडों के अनुसार, किसी देश को जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी, लागत अथवा मूल्य संबंधी संरचना के बाजार सिद्धांतों पर परिचालन नहीं करने के अनुसार, निर्धारित करते हैं जिससे ऐसे देश में सौदे की बिक्री उस सौदे के उचित मूल्य को नहीं दर्शाती ।

(2) एक परिकल्पना होनी चाहिए कि कोई भी देश जिसे निर्धारित किया गया है अथवा जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजन के लिए एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में लिया गया हो अथवा किसी विश्व व्यापार संगठन के सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश में तीन वर्ष की अवधि के दौरान जांच प्रक्रिया की जाए ।

तथापि, बशर्ते कि एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश अथवा ऐसे देश से संबद्ध फर्मों द्वारा निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रदान की गई सूचना व साक्ष्य द्वारा इस बात का खंडन किया जा सकता है कि ऐसा देश उप-पैरा (3) में दिए मानदंड के आधार पर एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है ।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित मानदंडों पर प्रत्येक मामले में विचार किया जाना चाहिए कि क्या:

(क) ऐसे देश में संबद्ध फर्म के कीमत, लागत व अंतर्निवेश, कच्चे माल सहित, प्रौद्योगिकी व श्रम की लागत, उत्पादन, बिक्री व निवेश से संबंधित निर्णय बाजार के मांग एवं आपूर्ति दर्शाते संकेतों की प्रत्युत्तर में तथा इस संबंध में बिना राज्य के महत्वपूर्ण हस्तक्षेप से बनाये गए हैं और जहां प्रमुख अंतर्निवेशों की लागत द्वारा बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रतिबिंबित होते हैं;



(ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतें व वित्तीय परिस्थितियां पूर्व गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से लाई गई महत्वपूर्ण विकृतियों के कारण हैं, विशेष तौर पर परिसंपत्तियों के हास, अन्य बड़े खाते में डाला जाने वाले व्यवहार, बार्टर व्यापार तथा देनदारों को क्षतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संबंध में;

(ग) इस प्रकार की फर्में दिवालिया व संपत्ति कानूनों के कारण हैं जो फर्मों के परिवर्तन के लिए कानूनी निश्चितता व स्थिरता की गारण्टी देते हैं, और

(घ) आदान-प्रदान दर में परिवर्तन बाजार दर से लाई जाती हैं :

तथापि, बशर्ते कि जहां इस पैरा में वर्णित मानदंडों के आधार पर लिखित रूप से पर्याप्त साक्ष्यों द्वारा दर्शाया गया है कि पाटनरोधी जांच के लिए इस प्रकार की एक या अधिक फर्मों के लिए बाजार की चल रही परिस्थितियों पर, निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 में तथा इस पैरा में दिए सिद्धांतों के बदले पैरा 1 से 6 में दिए सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं ।

### सामान्य मूल्य

मैसर्स दुआ एसोसिएट्स द्वारा अभिवेदित चार निर्यातक

- शंघाई बाओस्टील इंटरनैशनल इकोनॉमी व ट्रेडिंग कं.
- शांक्सी अंताई इंटरनैशनल ट्रेडिंग कं.
- शांक्सी रिसोर्सिस इंटरनैशनल कॉरपोरेशन
- शांक्सी कूकिंग लि. कं.

ने इस तिथि तक भारत को मैटकोक निर्यात नहीं किया । इन्होंने न तो मूल जांच में भाग लिया और न ही इस सनसेट रिव्यू की जांच अवधि में भारत को मैटकोक निर्यातित किया । इसलिए, संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजन के लिए इस चार निर्यातकों पर विचार नहीं किया जा रहा है ।

मैसर्स सिंघानिया एंड कंपनी द्वारा अभिवेदित सात निर्यातक

- मिनमैटल्स टाऊनलार्ड टेक्नॉलॉजिस कं. लि., बीजिंग (पूर्व चाइना नैशनल मिनरल्स इम्पोर्ट व एक्सपोर्ट कॉरपोरेशन)

- सिनोकेम इंटरनेशनल कं. लि., शंघाई (नई कंपनी)
- सीएनसी कोक व कैमिकल्स लि. (पूर्व चाइना नैशनल कोल इंडस्ट्री इम्पोर्ट व एक्सपोर्ट कॉरपोरेशन)
- चाइना मेटल्यूरजिकल इम्पोर्ट व एक्सपोर्ट हैबेई कंपनी
- चाइना नार्थ इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन
- शांक्सी मिनमैटल्स इंडस्ट्रियल एंड ट्रेडिंग क.लि.(नई कंपनी)
- शंघाई कूकिंग व रसायन कॉरपोरेशन (पूर्व में शंघाई पैसिफिक कैमिकल ग्रुप क. लि.)

में से केवल मैसर्स शंघाई कूकिंग व रसायन कॉरपोरेशन की अपनी विनिर्माण फैक्ट्री है । बाकी छः निर्यातक व्यापार कंपनियां हैं और उनकी अपनी विनिर्माण फैक्ट्रीयां नहीं हैं ।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन के सात निर्यातकों/उत्पादकों ने भारत को संबद्ध वस्तुओं की घरेलू कीमतें और निर्यात कीमतें उपलब्ध नहीं कराई हैं । इस सूचना में इस सीमा तक कमी है कि किसी भी कंपनी द्वारा प्रस्तुत निर्यातक प्रश्नावली की परिशिष्ट 5 से परिशिष्ट 9 तक से संबंधित सूचना नहीं भेजी गई है । कंपनियों के वार्षिक लेखे भी चीनी भाषा में भेजे गए हैं । कंपनियों के लेखा संबंधी मानक व लेखा नीतियां नहीं भेजी गई हैं । परिशिष्ट 1 से परिशिष्ट 4 की सूचना पक्षपातपूर्ण है । इनमें ऐसे उदाहरण हैं जहां यद्यपि कंपनियां ट्रेडिंग कंपनी है, यहां यह उत्पादन कम्पनी दर्शाई गई है । भेजे गए लेखे जांच अवधि से संबंधित नहीं हैं । प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि चीन के साथ संयुक्त राज्य अमरीका द्वारा कई मामलों में एक गैर-बाज़ार अर्थव्यवस्था के रूप में व्यवहार किया गया है । निर्यातक कंपनियों ने घरेलू उद्योग द्वारा गैर बाज़ार अर्थव्यवस्था के दावे का पर्याप्त प्रमाणीकरण के साथ खंडन नहीं किया है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रावधानों की सीमा के अनुसार गैर बाज़ार अर्थव्यवस्था देश अथवा ऐसे देश से संबद्ध फर्म ऐसी किसी परिकल्पना का प्राधिकारी को सूचना और साक्ष्य प्रदान कर खंडन कर सकती है जो यह निर्धारित करें कि करें कि ऐसा देश नियमों के परिशिष्ट 1 के पैरा 8 के उपपैरा 3 में वर्णित मानदंड के आधार पर गैर-बाज़ार अर्थव्यवस्था नहीं है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातकों ने अपनी प्रस्तुतियों को प्रमाणित करने के लिए किसी प्रकार की सूचना का साक्ष्य नहीं दिया है ।

- इसलिए प्राधिकारी निर्यातकों के तर्कों के गैर-प्रमाणीकरण को देखते हुए, जो गैर-बाज़ार अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर निर्यातकों द्वारा गैर-खंडन को प्रभावी रूप से प्रेरित करता है यह तथ्य कि संबद्ध वस्तु को उत्पादन की लागत विश्वसनीय नहीं है और इसलिए प्राधिकारी को व्यापार

परीक्षण की साधारण प्रक्रिया को लागू करने की अनुमति प्रदान नहीं करते हुए, पाटन रोधी नियमों के परिशिष्ट 1 के पैरा 7 एवं नियम 6(8) द्वारा उपर्युक्त समायोजन के साथ उत्पादन की तैयार लागत के आधार पर साच्चिकाकर्ता द्वारा सामान्य मूल्य के संदर्भ का प्रस्ताव किया है ।

प्राधिकारी के निष्कर्ष के अनुसार चीन के मैटकोक का सामान्य मूल्य \*\*\*\*अमरीकी डॉलर/मी.टन है ।

## 2. निर्यात मूल्य:

प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों के अनुबंध 1 के पैरा 5 के अनुसार जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के लिए विभिन्न निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराए गए पैकेजिंग, आंतरिक भाड़ा, भण्डारण व्यय, रखरखाव, कर, समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा तथा दस्तावेज संबंधी लागत पर समायोजन सहित निर्यात कीमत का संदर्भ दिया है ।

प्रत्येक निर्यातक के लिए फैक्ट्री पूर्व स्तर पर निर्यात कीमत निर्धारित करने के लिए प्राधिकारी ने संबंधित निर्यातकों द्वारा निर्यात कीमतों (सीआईएफ) के लिए किए गए दावे का संदर्भ दिया है और आंतरिक भाड़े, भण्डारण व्यय/रखरखाव, कर (दावे के अनुसार) और एफओबी से पूर्व स्थिति के लिए निरीक्षण तथा कमीशन, समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा तथा एफओबी पश्चात् की स्थिति के लिए रखरखाव संबंधी समायोजन किये गए । जहां भी सूचना उपलब्ध नहीं है, पाटनरोधी नियमों के नियम 6(8) द्वारा फैक्ट्री पूर्व स्तर पर संबद्ध निर्यातक की अंतिम निर्यात कीमत पर तैयार किए गए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर व्ययों का अनुमान लगाया गया है ।

इसे ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने निष्कर्ष निकाला कि चीन के मैटकोक के निर्यात की कीमत सातों निर्यातकों के लिए पृथक रूप से उपर्युक्त वर्णन के अनुसार समायोजना की अनुमति के पश्चात् \*\*\*\*अमरीकी डॉलर/ प्रति मी.टन है ।

## 3. डम्पिंग मार्जिन

सामान्य मूल्य तथा निर्यात मूल्य की तुलना 74.5% औसत डम्पिंग मार्जिन दर्शाती है जो चीन जनवादी गणराज्य से मैटकोक के सातों निर्यातकों के लिए 48.8% से 96.4% है ।

देश- चीन जनवादी गणराज्य	सामान्य मूल्य	निर्यात मूल्य	डम्पिंग मार्जिन
मिनमैटल्स टाऊनलार्ड टैक्नॉलॉजिस कं. लि.,	****	****	64.9%
सिनोकैम इंटरनेशनल कं. लि., शंघाई	****	****	84.5%
सीएनसी कोक व कैमिकल्स लि.	****	****	60.5%
चाइना मैटल्यूरजिकल इम्पोर्ट व एक्सपोर्ट हैबेई कंपनी	****	****	96.4%
चाइना नार्थ इंडस्ट्रीज़ कॉरपोरेशन	****	****	72.5%
शांक्सी मिनमैटल्स इंडस्ट्रियल एंड ट्रेडिंग क.लि.	****	****	93.7%
शंघाई कूकिंग व रसायन कॉरपोरेशन	****	****	48.8%
अन्य	****	****	96.4%

#### (च) क्षति आकलन

वह परीक्षण, जो सनसैट रिव्यू में लागू करने के लिए आवश्यक है, वह सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9ए (5) की शर्तों में डम्पिंग व क्षति का जारी रहने या बने रहने की जांच है ।

क. भारतीय एलएएमसी उत्पादकों द्वारा देश में मैटकोक की कुल आवश्यकता का लगभग 23% की ही पूर्ति की जा रही है । मैटकोक के उत्पादन की लागत मूल जांच व सनसैट रिव्यू के दौरान बदल चुकी है । एक औसत घरेलू उद्योग अपनी क्षमता के मात्र 74% का उपयोग कर सकता है । यद्यपि क्षमता उपयोग जांच अवधि के पश्चात् के वर्षों की तुलना में बढ़ा है विशाल घरेलू बाज़ार में, उस बाज़ार के दृष्टिकोण से, जो चीनी जनवादी गणराज्य से हो रहे सस्ते आयातों के कारण विस्थापित हो गया है, समस्त क्षमता का उपयोग न हो पाने का एक कारण है । भारत में मैटकोक के आयात पिछले चार वर्षों में 60% बढ़े हैं ।

(ख) ब्लास्ट भट्टी मार्ग के माध्यम से लोहे व स्टील के विनिर्माताओं द्वारा विभिन्न सीमाशुल्कों के लाभ पाने के अतिरिक्त, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 25(1) के तहत पाटनरोधी शुल्क के भुगतान से भी लोहे व स्टील के विनिर्माताओं को ब्लास्ट भट्टी मार्ग (19 मई 2000) तथा फैरो एलॉय उद्योग (3 जनवरी 2003) के माध्यम से छूट दी गई है । 1998-99 से 2001-02 के बीच की अवधि में मैटकोक पर सीमाशुल्क ड्यूटी को 10% से बढ़ाकर 15% कर दिया गया (1999-2000 में) । अतः

मैटकोक की लगभग 2.6 मिलियन मी. टन की आवश्यकता आयातों द्वारा पूरी की जाती है । जिनपर किसी प्रकार का पाटनरोधी शुल्क नहीं है और जिस छूट प्राप्त सीमाशुल्क ड्यूटी भी है ।

17 सितंबर 1998 तथा 25 नवंबर 1999 को सचिव द्वारा आयोजित दो बैठकों के अति विस्तृत रूप से लिखे गये कार्यवृत्त (फैरो एलॉय तथा पिग आयरन विनिर्माताओं द्वारा) में फैरो एलॉय उद्योग को लेकर विवाद दिखता है, जो 17 सितंबर 1998 के कार्यवृत्त में एक प्रमुख बाजार के रूप में लिया गया है । विपणन व्यवस्थाओं के साथ घरेलू मैटकोक का भी संदर्भ दिया गया है जिसे यद्यपि न तो व्यवसायिक आधार पर मौखिक रूप से स्वीकार कर लिया गया है परन्तु यह ऐसे तथ्य को सामने लाया है कि घरेलू मैटकोक जिसके अनुसार प्रयोक्ता घटक नामतः पिग आयरन व फैरो एलॉय इंडस्ट्रीज़ दोनों द्वारा घरेलू मैटकोक का प्रयोग किया जा सकता है ।

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति की जांच के लिए विभिन्न इच्छुक पक्षों के सभी तर्कों पर विचार किया । प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति की जांच जारी रखने के लिए निम्नलिखित मानदंडों पर विचार किया :

(क्षति आकलन तालिका)

		1999-2000	2000-2001	2001-2002 (POI)
1.	से आयात (लाख रुपए में)			
	संबद्ध देश	44309 (54%)	72088 (84%)	54207 (69%)
	अन्य देश	37721	13901	24235
	कुल आयात	82030	85989	78442
2.	स्थापित क्षमता (मी.ट.) (सूचकांक 1998-99 = 100)	130	157	182
3.	उत्पादन मी.ट.	144	222	258
4.	बिक्री की मात्रा मी.टन	152	209	282
5.	क्षमता उपयोगिता %	57.8	73.4	73.4
6.	तैयार सामान का अंतिम स्टॉक	108	206	156
7.	बिक्री मूल्य	143.57	206	277
8.	बिक्री से आय	94	99	99
9.	उत्पादन लागत	92	90	96
10.	लाभ / हानि	276	281	(-)142
11.	अपनी खपत	-	-	-

12.	निर्यात बिक्री	100	50.58	-
13.	मांग	100	121	123
14.	बाजार अंश %	14.19	17.37	22.88
15.	रोजगार	100	77.6	90.1
16.	निवेश	100	110.5	116.2
17.	निवल लागत	100	108.3	109.1
18.	विस्तार के लिए पूंजीगत निवेश	100	57.8	69.9

1. पाटन रोधी शुल्क लागू होने के बावजूद संबद्ध वस्तु के आयात में पूर्ण बढ़ोतरी हुई है।
2. भारत में कुल आयात में संबद्ध देश से आयात का बाजार अंश पहले बढ़ा, तत्पश्चात् जांच अवधि के दौरान घटा है।
3. यद्यपि घरेलू उद्योग का उत्पादन, क्षमता उपयोगिता तथा बिक्री बढ़ी है, यह सदृश स्तर तक नहीं पहुंच सका है। बाजार व सृजित क्षमता में मांच को देखते हुए घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोगिता कम बनी रही।
4. आयात, बाजार में कीमतों को गिराने का कारण रहे हैं और इसके परंपरागत बाजार के विस्थापन के कारण बाजार में बिक्री मूल्य कम रहे।
5. औद्योगिक मानकों की तुलना में निवेश के विरुद्ध आय कम है।
6. आयातित माल की पहुंच कीमत, घरेलू उद्योग की गैर-क्षतिपूर्ण कीमतों से कम है यह भारतीय बाजार में कीमत गिराने का कारण है।
7. कीमतों में गिरावट के कारण बिक्री मूल्य व उत्पादन लागत दोनों के बढ़ने के बावजूद संबद्ध वस्तु के पाटन के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग में पूर्ण रूप से वित्तीय घाटे रहे।
8. घरेलू उद्योग अपनी क्षमताएं बढ़ाने में, नई पूंजी बढ़ाने अथवा नए निवेश की योजना के लिए सक्षम नहीं है।
9. यद्यपि घरेलू उद्योग ने सकारात्मक वृद्धि दर्शाई है फिर भी यह भी देखा जाना है कि यह महत्वपूर्ण रूप से कम अनुकूल है, बाजार में मांग बढ़ने तथा याचिकाकर्ता द्वारा सृजित क्षमता विचारणीय है, जिनका वे बाजार विस्थापन के कारण पूर्ण उपयोग नहीं कर सके।
10. रोजगार में कुछ गिरावट हुई है जबकि उत्पादकता व मजदूरी बढ़ी है।

अतः क्षति के मूल्य प्रभाव, मूल्य कटौती तथा घरेलू उद्योग के उचित बिक्री मूल्य की तुलना में कम पहुंच मूल्य के कारण कम कीमत पर बिक्री, बाजार विस्थापन ने घरेलू उद्योग को मेटकोक की घरेलू मांग को पूरा करने की अपनी पूर्ण क्षमता का प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी तथा बाकी घरेलू मांग को उठाने के लिए स्वयं के बल पर स्वयं को बढ़ावा दिया है। प्राधिकारी स्वीकार करते हैं कि

मैटकोक पर वर्तमान पाटनरोधी शुल्क भारत में चीन जन.गण. से संबद्ध सामान के पाटन की पुनरावृत्ति का कारण हो सकता है ।

### (छ) पहुंच मूल्य

सीमाशुल्क ड्यूटियों के लागू होने योग्य स्तर पर भारित औसत सीआईएफ कीमत जोड़ने के पश्चात् संबद्ध सामानों के लिए पहुंच मूल्य का निर्धारण किया गया है (धारा 3, 3ए, 8बी, 9, तथा 9ए के तहत लगाए जाने वाले शुल्कों तथा पहुंच शुल्कों के 1% के अतिरिक्त) ।

### (ज) गैर-क्षतिपूर्ण कीमत

जब घरेलू उद्योग के लिए समान वस्तु के लिए गैर-क्षति पूर्ण कीमत निर्धारित की जाती है, प्राधिकारी ने भाग लेने वाले सभी घरेलू उद्योग के सामान्य उचित खपत मानदंडों तथा कच्चा माल जो जांच अवधि के दौरान संबद्ध सामानों के उत्पादन के लिए प्रयोग किया गया है की वास्तविक कीमत को देखते हुए घरेलू उद्योग के लिए उत्पादन की अनुकूलतम लागत निर्धारित करने के लिए संबद्ध सामान की वास्तविक जांची गई उत्पादन लागत का प्रयोग किया है । क्षति मार्जिन की गणना के लिए प्राधिकारी ने आयातित सामान के पहुंच मूल्य के साथ जांच अवधि के लिए संबद्ध सामानों की भारित औसत फैक्ट्री पूर्व गैर क्षतिपूर्ण कीमत की तुलना की ।

### (झ) डम्पिंग मार्जिन की सीमा तक शुल्क

प्राधिकारी पाटन के मार्जिन के समान या कम पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करते हैं जो यदि लागू किए गए तो घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करेंगे ।

### ( ) भारतीय उद्योग के हित व अन्य मुद्दे

- (i) प्राधिकारी सुनिश्चित करते हैं कि पाटन रोधी शुल्कों का प्रयोजन सामान्य रूप से पाटन को समाप्त करना है जो घरेलू उद्योग की क्षति का कारण है और भारतीय बाजार में मुक्त व उचित स्पर्धा की स्थिति बनाना है जो देश के सामान्य हित में है ।

(ii) प्राधिकारी ने यह भी पाया है कि पाटनरोधी शुल्कों को लागू करना उन उत्पादों के विनिर्माण के कीमत स्तर को प्रभावित कर सकेंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की संबद्ध स्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव डाल सकेंगे । तथापि, भारतीय बाज़ार में उचित स्पर्धा पाटनरोधी उपायों से नहीं घटेगी । इसके विपरीत यह संबद्ध सामानों के उपभोक्ताओं की विस्तृत चयन की उपलब्धता को बनाए रखेगी । इच्छुक पक्षों ने कहा है कि मैटकोक का निर्यात मूल्य अप्रैल 2002 (जांच अवधि के पश्चात् की अवधि) के पश्चात् 150-170 अमरीकी डॉलर तक पहुंच जाएगा । पाटन को रोकने के लिए जो घरेलू उद्योग की क्षति का कारण है और घरेलू बाज़ार में मुक्त व उचित स्पर्धा की स्थिति को पुनः बनाने के लिए पाटन रोधी शुल्क लगाए गए हैं । इसका उद्देश्य पाउन कार्यों द्वारा अनुचित लाभ पाने में सुधार करना तथा घरेलू उद्योग को गिरने से रोकना है । ऐसे शुल्कों को लागू करना संबद्ध देशों से आयात को नहीं रोकेगा और न ही उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता को प्रभावित करेगा । सामान्यतः भारतीय बाज़ार पर उचित स्पर्धा पाटनरोधी उपायों द्वारा नहीं घटी है । विशेषरूप से यदि घरेलू उद्योग की क्षति में सुधार के लिए आवश्यक सीमा तक लगाए गए पाटनरोधी शुल्क प्रतिबंधित किए गए हैं ।

(iii) प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन रोधी उपाय लागू करना किसी भी प्रकार से चीन जन.गण. से आयात को प्रतिबंधित नहीं करेंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए इन उत्पादों की उपलब्धता को प्रभावित नहीं करेंगे । प्राधिकारी को पाटन रोधी जांच में पाटन की उपस्थिति, उद्योग को वास्तविक क्षति तथा संबद्ध देश से होने वाले आयात से इस प्रकार की क्षति के कारणात्मक संपर्कों का निर्धारण करना आवश्यक है । किसी अन्य उद्योग की संबद्ध स्पर्धात्मकता पर प्रभाव यदि पाटनरोधी शुल्क प्राधिकारी की जांच के दायरे से बाहर लागू किए गए हैं ।

**(ट) निष्कर्ष:**

पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात् यह देखा गया कि :

(क) संबद्ध देशों में मूल रूप से सृजित अथवा से भारत को निर्यातित संबद्ध सामान सामान्य मूल्य से कम पर निर्यातित किया गया जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ ।



(ख) प्राधिकारी द्वारा, निर्यातकों द्वारा भेजी गई सूचना तथा सूचना के लिए विशेष अनुरोध करने पर चीन जन.गण. से निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा भेजी गई अपूर्ण तथा अपर्याप्त प्रतिक्रिया को देखते हुए प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना के आधार पर चीन जन.गण. में मैटकोक के सामान्य मूल्य तैयार किए गए।

(ग) संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के आयात द्वारा क्षति हुई है। प्राधिकारी का मत है कि संबद्ध सामान पर वर्तमान पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति भारत में संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के पाटन की पुनरावृत्ति का कारण हो सकती है।

(घ) संबद्ध देशों में सृजित व वहां से निर्यातित सामानों के आयातों पर निश्चित पाटनरोधी शुल्क जारी रखना आवश्यक माना गया है।

(ङ) प्राधिकारी ने चीन जन. गण. में सृजित या वहां से निर्यातित मैटाल्युजिकल कोक के सभी प्रकार के आयातों पर निश्चित पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश की गई। \*\*\*\*अमरीकी डॉलर तथा प्रति मीट्रीक टन आयात के पहुंच मूल्य का अंतर पाटन रोधी शुल्क होगा।

(च) यह विचार किया गया कि पाटनरोधी शुल्क की राशि को पाटन मार्जिन के समान या उससे कम रखा जाए जिससे पाटन के लिए घरेलू उद्योग पर हुई क्षति को हटाया जा सके। तदनुसार, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 2704 के तहत संबद्ध देशों में सृजित अथवा से निर्यातित संबद्ध सामान के सभी निर्यातों पर केंद्रीय सरकार द्वारा निश्चित पाटन रोधी शुल्क जो अनुबद्ध तालिका के कॉलम 9 की राशि तथा संबद्ध सामानों की पहुंच मूल्य के अंतर को अमरीकी डॉलर/मी.टन में लागू करने का प्रस्ताव किया गया।

क्र. सं.	उप शीर्षक	सामानों का विवरण	विनिर्देश	उत्पत्ति का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि (अमरीकी डॉलर/मी. टन)
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.
1.	2704	मैटाल्युजिकल कोक	कम राख वाले मैटाल्युजिकल कोक जिसमें 15% से कम राख अंश है।	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	शंघाई कूकिंग केमिकल कॉरपोरेशन	कोई भी	119.13
2	2704	मैटाल्युजिकल कोक	कम राख वाले मैटाल्युजिकल कोक जिसमें 15% से कम राख अंश है।	चीन जन. गण.	कोई भी देश चीन	शंघाई कूकिंग केमिकल कॉरपोरेशन	कोई भी	119.13

			कम राख अंश है ।		अलावा			
3	2704	मैटाल्युजिकल कोक	कम राख वाले मैटाल्युजिकल कोक जिसमें 15% से कम राख अंश है ।	कोई भी देश चीन के अलावा	चीन जन. गण.	शंघाई कूकिंग कैमिकल कॉरपोरेशन	कोई भी	119.13
4	2704	मैटाल्युजिकल कोक	कम राख वाले मैटाल्युजिकल कोक जिसमें 15% से कम राख अंश है ।	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	शंघाई कूकिंग कैमिकल कॉरपोरेशन के अतिरिक्त कोई भी उत्पादक	ए, बी, सी, डी, इ, एफ **	119.13
5	2704	मैटाल्युजिकल कोक	कम राख वाले मैटाल्युजिकल कोक जिसमें 15% से कम राख अंश है ।	चीन जन. गण.	कोई भी देश चीन के अलावा	शंघाई कूकिंग कैमिकल कॉरपोरेशन के अतिरिक्त कोई भी उत्पादक	ए, बी, सी, डी, इ, एफ **	119.13
6	2704	मैटाल्युजिकल कोक	कम राख वाले मैटाल्युजिकल कोक जिसमें 15% से कम राख अंश है ।	कोई भी देश चीन के अलावा	चीन जन. गण.	शंघाई कूकिंग कैमिकल कॉरपोरेशन के अतिरिक्त कोई भी उत्पादक	ए, बी, सी, डी, इ, एफ **	119.13
7	2704	मैटाल्युजिकल कोक	कम राख वाले मैटाल्युजिकल कोक जिसमें 15% से कम राख अंश है ।	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	शंघाई कूकिंग कैमिकल कॉरपोरेशन के अतिरिक्त कोई भी उत्पादक	ए, बी, सी, डी, इ, एफ ** के अतिरिक्त कोई भी निर्यातक	119.13
8	2704	मैटाल्युजिकल कोक	कम राख वाले मैटाल्युजिकल कोक जिसमें 15% से कम राख अंश है ।	चीन जन. गण.	कोई भी देश चीन के अलावा	शंघाई कूकिंग कैमिकल कॉरपोरेशन के अतिरिक्त कोई भी उत्पादक	ए, बी, सी, डी, इ, एफ ** के अतिरिक्त कोई भी निर्यातक	119.13
9	2704	मैटाल्युजिकल कोक	कम राख वाले मैटाल्युजिकल कोक जिसमें 15% से कम राख अंश है ।	कोई भी देश चीन के अलावा	चीन जन. गण.	शंघाई कूकिंग कैमिकल कॉरपोरेशन के अतिरिक्त कोई भी उत्पादक	ए, बी, सी, डी, इ, एफ ** के अतिरिक्त कोई भी निर्यातक	119.13

- \*\* ए - मिनमैटल्स टाऊनलार्ड टेक्नॉलॉजिस कं. लि., बीजिंग  
बी- सिनोकेम इंटरनैशनल कं. लि., शंघाई  
सी- सीएनसी कोक व कैमिकल्स लि.  
डी- चाइना मैटाल्युजिकल इम्पोर्ट व एक्सपोर्ट हैबेई कंपनी

ई- चाइना नार्थ इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन

एफ- शांक्सी मिनमैटल्स इंडस्ट्रियल एंड ट्रेडिंग क.लि.

(छ) इस आदेश के विरुद्ध उपर्युक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क व स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय अधिकरण में अपील की जाएगी ।

एल. बी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

# **MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

## **NOTIFICATION**

New Delhi, the 5th November, 2003

**Subject :—Anti-Dumping Investigations concerning Sunset Review of Anti-Dumping Duty on Imports of Metallurgical Coke from China PR—Final Finding.**

**No.14/I3/2002-DGAD – Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof.**

### **A. PROCEDURE**

The procedure described below has been followed with regard to the investigation concerning sunset review :

- i. The Customs Tariff (Amendment ) Act, 1995 and the Rules made thereunder require the Authority to review from time to time , the need for continuance of Anti-Dumping Duty. The Authority had received representations from M/s Nava Bharat Ferro Alloys Limited, Hyderabad and M/s Fairdeal Supplies Pvt Ltd, Ahmedabad, the importers/users of the subject goods indicating lowering of the dumping margin and also no injury to the domestic industry by the imports of the subject goods from the subject country. M/s Indian Metallurgical Coke Manufacturers Association (IMCOM) , New Delhi which includes original petitioner M/s BLA also , had requested for continuance of anti dumping duties after the expiry of the five years period in view of the continued injury to the Domestic Industry.
- ii. The application of IMCOM was supported by M/s Industries and Commerce Association, Dhanbad as co-petitioner (referred to ICA hereinafter),
- iii. The Designated Authority initiated Sunset review to review as to whether cessation of the anti dumping duty is likely to lead to continuance or recurrence of dumping and injury as per Section 9A(5) of Customs Tariff (Amendment) Act,

1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping on Dumped Articles and for Determination of Injury Rules, 1995 the need for continued imposition of the anti dumping duty on imports of Metallurgical Coke originating in or exported from People's Republic of China.

- iv. The Authority issued a public notice dated 7<sup>th</sup> May, 2002 published in the Gazette of India. Extraordinary, initiating anti dumping investigations concerning Sunset Review of Anti-Dumping Duty on Metallurgical Coke originating in or exported from China (referred to as the subject country hereinafter). Metallurgical Coke is classified under custom heading 27.04 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975.
- v. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were made available by the petitioners and who had participated in the original investigation) and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the rule 6(2);
- vi. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers of Metallurgical Coke in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter;
- vii. The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on 13<sup>th</sup> November 2002. All parties presenting views orally were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any;
- viii. The Authority provided a copy of the petition to the known exporters and the Embassy of the subject country in accordance with rules 6(3) supra. A copy of the petition was also provided to other interested parties, wherever requested;
- ix. The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigation in accordance with rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to the Embassy, along with a list of known exporters/producers;
- x. A questionnaire was sent to the following known Exporters / Importer / User / Producer of Metallurgical Coke in India calling for necessary information in accordance with rule 6(4) :
  - Nava Bharat Ferro Alloys ltd
  - Fairdeal Supplies Pvt ltd, Ahmedabad
  - Indian Metallurgical Coke Manufacturers Association (IMCOM) , New Delhi
  - Industries and Commerce Association, Dhanbad (ICA)
  - Alkali manufacturers Association

- The Indian Ferro Alloys Producers Association
- Association of Indian Mini- Blast Furnaces (AIM)
- Satharverhana Ispat Ltd., Hyderabad
- Sesa Kembla Coke co. Ltd
- BLA Industries Ltd
- Gujarat NRE Coke ltd
- Saurashtra Fuels ltd
- Antai Balaji Coke Pvt.ltd. .
- Durgapur Projects ltd
- Southern Fuels Ltd
- Kirloskar Ferrous Industries, Pune
- Tisco Ltd., Bombay
- Sesa Industries Ltd., Goa
- Usha Ispat Ltd., New Delhi
- Usha Beltron Industries Ltd., Calcutta
- Southern Iron and Steel Co. Ltd. Coimbatore
- Saurashtra Chemicals ltd Porbander
- Gujrat Heavy Chemicals ltd
- Hindustan Zinc ltd
- Indian Metals and Ferro Alloys ltd
- Apparent Iron and Steel Pvt ltd
- SAIL
- Kalinga Work
- FACOR
- Kudermukh Iron & Steel Co. ltd
- RINL
- Kalyani Ferro
- Jindal Strips
- Jayaswal Neco ltd.
- Mitshibishu
- Minmetals Townlord Technologies Co.ltd, Beijing
- Sinochem International Co. ltd Shanghai
- CNC Coke & Chemicals ltd
- China Metallurgical Import & Export Hebei Company
- China North Industries Corporation.
- Shanxi Minmetals Industrial & Trading Co. ltd
- Shanghai Cooking & Chemical Corporation
- Shanghai Baosteel Interational Economy & Trading Co
- Shanxi Antai International Trading Co. Ltd
- Shanxi Resources International Corporation
- Shanxi Coking limited Co.

A number of parties requested for extension of time, which also was allowed by the Authority by two weeks.

In addition, Dhanbad Industrial Workers Union had also made submissions.

- xi. Additional information regarding injury was sought from the petitioners, which was also furnished.
- xii. The Authority conducted on-the-spot investigation at the premises of the producers of Metallurgical Coke in India.
- xiii. The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by the various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties;
- xiv. Cost investigations were also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the petitioners so as to ascertain if anti-dumping duty lower than dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- xv. In this notification \*\*\*\*\* represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;
- xvi. In accordance with Rule 16 of the Rules *supra*, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same have also been duly considered in these findings. Extension was granted for eight days (upto 17<sup>th</sup> October 2003 for submitting response on the disclosure statement) on a request from M/s Singhania & Co. representing Seven Chinese exporters, M/s Usha Beltron Ltd (user/importer), M/s Fairdeal Supplies (Importer) and the Association of Indian Mini Blast furnace (Importer and user).
- xvii. Investigation was carried out for the period starting from 1<sup>st</sup> April 2001 to 31<sup>st</sup> March 2002.
- xviii. The following abbreviations have been used :

Metcoke/Coke

China

Authority

MBF

ICA

LAMC

AIM

IMCOM

Metallurgical coke

The People's Republic of China

Designated Authority

Mini Blast Furnace

Industries and Commerce Association,  
Dhanbad

Low Ash Metallurgical Coke

Association of Indian Mini- Blast Furnaces

Indian Metallurgical Coke Manufacturers  
Association

USD	US Dollars
Final Findings	Final Findings Notification of Designated Authority number 8/2/97-ADD dated 27 <sup>th</sup> August 1998 concerning import of Metallurgical Coke from the People's Republic of China
Original Case/Investigation.	Anti Dumping Investigation by Authority (8/2/97-ADD) concerning import of Metallurgical Coke from the China whose final findings were notified on 27 <sup>th</sup> August 1998,

xix. Minutes of the meeting held on 17.9.1998 under the Chairmanship of Secretary (Steel) between the Coke producers, Pig Iron manufacturers and Ferro Alloy producers And minutes of the meeting taken by Secretary (Steel) on 25.11.99 with the representatives of the Mini Blast Furnaces and producers of Metallurgical Coke covered the following issues :

- a) All Coke producers in India including the four identified in the final finding were capable of producing metcoke with less than 15% ash.
- b) Coke producers refused the offer of Pig Iron manufacturers and Ferro Alloy producers to work out mechanism whereby metcoke produced could be purchased by Pig Iron manufacturers and Ferro Alloy producers at an agreed price to avoid injury to them from imported Coke.
- c) Only 20% of the production of the coke producers is consumed by Pig Iron and Ferro Alloy industries and that injury to the coke industries in India has been caused by the use of Chinese Coke primarily by industries other than Pig Iron and Ferro Alloy.
- d) In the meeting held on 25.11.99 IMCOM and AIM agreed that the blast furnace units were not the principle markets that the domestic coke producers cater to. The market to which the domestic coke producer cater to comprises ferrous and non ferrous foundries, ferro alloy producers, soda ash producers, zinc smelting units, some other chemical units and various SSI units.
- e) AIM, IMCOM agreed that if the Government exempts blast furnace industry from the purview of anti dumping duty metcoke will be imported under OGL with actual user conditions for blast furnace industry without ADD. The units enjoying such exemption shall not sell/loan/licence/gift on conversion any portion of their imported coke to any unit outside the blast furnace industry under any circumstances. All such surplus/rejected coke etc. if any should first be offered to members of IMCOM solely. However, coke breeze 0-12 mm can be disposed off by the units as they are doing now as long as the quantity is within normal tolerance level.
- f) IMCOM reiterated that continuation of ADD on metcoke of Chinese origin is vital for the survival of the indigenous coke manufacturers.

xx **Chronology of Events**

Date	Event
28 <sup>th</sup> Aug. 1997	Initiation of Investigation by Authority
20 <sup>th</sup> March, 1998	Recommendation of Preliminary Duty Rs.1800 per tonne on all met coke exported or originating from China by Authority
6 <sup>th</sup> May, 1998	Accepting recommendations made by Authority and imposing definitive duties by Ministry for Finance
27 <sup>th</sup> Aug. 1998	Recommendation of Final Duty as the difference between Rs.4673 and the landed value of the Imported met coke by Authority.
02 Sept. 1998	Corrigendum, imposing a minimum duty of Rs.692/- by Authority
14 Oct, 1998	Amendment to Final Findings of 27 <sup>th</sup> August 1998 – “Landed value of imports shall be the assessable value as determined by the customs under Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975”
27 Oct, 1998	Accepting recommendations only made on 27.08.1998 and imposing definitive duties as the difference between Rs.4673/- and the landed price of the imported met coke. No minimum duties were imposed in accordance with the recommendation made by the Designated Authority on 02.09.1998 by Ministry of Finance
21 Jan, 2000	FINAL CEGAT ORDER – Antidumping duty denominated in US Dollar terms
19 May, 2000	Exemption of antidumping duty to Pig Iron Manufacturers or steel using the blast furnace route by Ministry of Finance under Section 25(1) of the Customs Act.
03 Jan, 2003	Antidumping duty exempted to manufacturers of pig iron and steel using either blast furnace route or COREX technology and manufacturers of ferry alloys



**B. 1. A.VIEWS OF IMPORTER/USER**

- a) The scope of product under consideration should be what has been imported into India with respect to Ash content, moisture and size of Coke.
- b) The domestic product and the imported product are not substitutable or interchangeable.
- c) Role of Phosphorous content in the coke is crucial for Ferro alloy Industry.
- d) The low Phosphorous coke imported from China is not a like article .
- e) The domestic industry is not representative.
- f) Indian producers meet insignificant volume of the total domestic demand .
- g) Parameters relating to the domestic Industry do not indicate injury and there is no causal link.
- h) It has been admitted by the domestic coke industry that there is no injury due to imports by Ferro Alloys producers or Pig iron producers.
- i) The duty should be on a variable basis if at all dumping is proved.
- j) In public interest end use wise exemption to be granted to Pig iron and Ferro Alloy Industry based on their specific requirement.
- k) If end use wise exemption is granted to certain industries then the other sectors like chemicals should also be exempted.
- l) There is no dumping from China.

**1.B. VIEWS EXPRESSED IN RESPONSE TO THE DISCLOSURE STATEMENT.**

- a) **The Ferro Alloy's Producers association** reiterated the issues raised earlier on:
  - Vital post POI factors like increase in the prices of Metcoke to the extent of US \$ 140-150 when the prices of inputs have not materially and proportionately changed.
  - Importance of Ash content which should be less than 15%.
  - Importance of phosphorous content where in order to achieve the finished product of desired quality, it is essential to have coke with maximum Phos content of 0.0166%.
  - Importance of moisture content.
  - Importance of size of coke which should be between 10 to 30 mm.
  - The Metcoke produced by the domestic Industry is not technically or commercially substitutable.
  - The Indian producers cannot meet the demand of the total Metcoke requirement. It can meet hardly 20% of Metcoke requirement in the country.
  - There is no injury to the Domestic Industry from imports of the Metcoke in general and imports of metcoke by the Ferro Alloys producers in particular. Difference in technology has resulted in injury to the domestic industry.
  - Government has revoked Anti Duping Duty on imports of Metcoke from China made by Ferro Alloy industry and pig Iron Industry.
  - In the event the anti dumping duty is required to be imposed it should be imposed on variable basis.

b) **Association of Indian Mini Blast Furnaces** has submitted exhaustive response reiterating most of the issues raised earlier.

- Choice of Period of Investigation was not appropriate as prices have risen world wide only after April 2002.

- Minutes of the meeting taken by Secretary(steel) on 25.11.1999 stated that “Considering the financial difficulty of the Members of the AIM, IMCOM agreed that they have no objection if the Government exempts the blast furnace industry from the purview of the Anti Dumping Duty...”

- Metcoke imported is not substitutable by the Metcoke produced by Indian Industry and substitutability has to be considered with the end use of the product concerned.

- Capacity of the domestic industry has not been computed properly, as domestic industry has not been classified according to the quality of low ash coal required by the Blast furnace industry, M/s Sesa Kembla is a captive consumer of Metcoke and BCCL and Fertilizer Corporation of India are shut down.

- Normal value has not been assessed for the specific quality of Metcoke required by the Blast furnace.

- Authority has not stated if the export price takes into account the present world wide trend.

- Non of the injury factors are tenable.

- AIM reiterated that the Blast furnace Industry in India is economically and legally entitled to exemption from Anti Dumping Duty in the context of the present world wide price trend.

In addition three issues have been emphasized on:

- Under Rule 4(c)(ii), 13(1), 19 Designated Authority is empowered to recommend to the Central Government an Anti Dumping Duty on end use basis.

- Non objective assessment of Injury to the Domestic Industry by imports of Metcoke from China PR.

- Prices of Metcoke through out the world from April 2002 have risen and are continuously rising (currently at US \$170 C.I.F, Indian Port) to the extent that there is no dumping of Metcoke and there is no injury to the domestic industry.

## **2. VIEWS OF EXPORTERS**

a) China is recognized as a market economy by Government of India.

b) The domestic product and the imported product are not substitutable or interchangeable because of high phosphorous content. This is corroborated by the fact despite anti dumping duty in place Chinese imports continue.

c) The low Phosphorous coke imported from China is not a like article

d) The domestic industry is not representative.

e) Normal value has been wrongly constructed for China and is on the higher side. There is no dumping from China.

f) There is no injury to the domestic industry and no causal link has been established between dumping and injury by the domestic industry.

## 2A. VIEWS OF EXPORTERS IN RESPONSE TO THE DISCLOSURE STATEMENT

a) The four exporters represented by M/s Dua Associates

- Shanghai Baosteel International Economy & Trading Co
- Shanxi Antai International Trading Co. Ltd
- Shanxi Resources International Corporation
- Shanxi Coking limited Co.

have not exported Metcoke to India to date. These firms may however be specifically named as responding exporters and may not be included in a generic category of "all exporters" or "others" in the final finding.

b) The seven exporters represented by M/s Singhania & Co

- Minmetals Townlord Technologies Co. Ltd, Beijing (*erstwhile China National Minerals Import & Export Corporation*)
- Sinochem International Co. Ltd Shanghai (*new company*)
- CNC Coke & Chemicals Ltd (*erstwhile China National Coal Industry Imp. & Exp. Corp.*)
- China Metallurgical Import & Export Hebei Company
- China North Industries Corporation.
- Shanxi Minmetals Industrial & Trading Co. Ltd (*new company*)
- Shanghai Cooking & Chemical Corporation (*erstwhile Shanghai Pacific Chemical Group Co. Ltd*)

have only M/s Shanghai Cooking & Chemical Corporation with its own manufacturing factory. Remaining six exporters are trading companies and do not have their own manufacturing factory.

- There is no evidence with the Domestic Industry that the Chinese exporters have in many cases absorbed the incidence of anti dumping duties,
- It is wrong that the coal and coke sector in China is within State control.
- All the seven Chinese firms operate in Market economy conditions.
- Of the seven companies who participated in the original investigation names have been changed of three companies (as indicated in bracket against the new names above), two companies are not participating in this Sunset review and two companies have retained their old names.
- The dumping margin for Chinese companies is very high .

## 3. VIEWS OF DOMESTIC INDUSTRY

(i) **Product under Consideration:** Metallurgical Coke (also referred to as 'Metcoke')

(ii) **Description of Product:**

- a) Metallurgical Coke is classified under Chapter 27 (under sub-heading 27.04) of the Customs Tariff Act 1975. The ITC (HS) classification for the product under consideration is 270400.
- b) A general description of the product  
Metallurgical Coke is produced by destructive distillation of Metallurgical (coking coal) in the absence of oxygen at high temperature generally ranging around 1000 degrees centigrade without burning the coal. The Metallurgical Coke produced is mainly carbon along with some mineral and residual volatile material. The metcoke is used as a primary fuel in industries where a uniform and high temperature is required in kilns or furnaces.  
Metcoke is used in various industries including pig iron, foundries, ferro alloys, chemical, integrated steel plants and others.
- iii) Evidence of dumping has been noticed since 1992-93. Even after imposition of antidumping duty, China continues to dump the subject goods into India. Since there are fixed anti-dumping duties, there is evidence that the Chinese exporters have in many cases absorbed the incidence of anti-dumping duties.
- iv) The producers of Met Coke in India may be broadly categorized in three groups. First, those who are primarily integrated steel plants such as TISCO, Rashtriya Ispat Nigam Limited and SAIL who captively consume the Met Coke they produce as well as resort to large scale imports from the subject country. Second, stand alone Met Coke producers from the organized sector, who are members of IMCOM and/or petitioners herein and third, stand alone small scale sector producers located in Bihar, Bengal and Jharkand, who are represented by Industries and Commerce Association, who are supporting this Petition.
- v) The goods produced by the domestic industry are Identical / alike to the imported goods. Metcoke produced in India by the petitioners is directly interchangeable with imported Metcoke.
- vi) The coal and coke sector in China continues to remain significantly within State control
- vii) The domestic industry has given considerable evidence to demonstrate that dumping has continued even after the imposition of anti-dumping duties. This has largely been on account of the fact that many of the exporters from China absorbed the incidence of anti-dumping duties by decreasing their export price correspondingly.
- vi) Removal of these duties will certainly lead to recurrence of injury.

### 3.A VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY IN RESPONSE TO THE DISCLOSURE STATEMENT.

- Reference to the Minutes of the meeting held on 17.9.1998 under the Chairmanship of Secretary (Steel) between the Coke producers, Pig Iron manufacturers and Ferro Alloy producers And minutes of the meeting taken by Secretary (Steel) on 25.11.99 with the representatives of the Mini Blast Furnaces and producers of Metallurgical Coke is out of context and the information material itself is disputed.
- The issue of Like article is settled and that there is no difference in technology used in China which results in Metcoke of a superior quality.
- Domestic Industry is not aware of any decision by Government of India having notified China as a Market Economy.
- Determination of Normal value on the basis of the constructed value or price in India is wholly justified.
- Duties may be imposed equal to the dumping margin vide Section 4(1)(d) of the Anti Dumping Rules.
- NIP for the domestic Industry is unreasonably low.
- Fixed Anti Dumping Duty may be imposed in this proceeding.

### C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

The product under consideration in the present review is Metallurgical Coke originating in or exported from China PR with the detailed description of the product as illustrated in Para 3 of the Final Findings of the original investigation. The product description is irrespective of the technology used to produce Metcoke by either recovery or non recovery process. The Final findings of the original investigation reads:

3. The product under the scope of the present investigation is Metallurgical Coke (also referred to as metcoke).
4. Metallurgical Coke is produced by destructive distillation of Metallurgical (coking coal) in the absence of oxygen at high temperature generally ranging around 1000 degrees centigrade without burning the coal. The Metallurgical Coke produced is mainly carbon along with some mineral and residual volatile material. The metcoke is used as a primary fuel in industries where a uniform and high temperature is required in kilns or furnaces.
5. Metallurgical Coke is classified under Chapter 27 (under sub-heading 27.04) of the Customs Tariff Act 1975. The classification, manufacturing process and usage of the product indicated herein are, however, indicative only and are in no way binding on the scope of the product under consideration.
6. Metcoke is used in various industries including pig iron, foundries, ferro alloys, chemical, integrated steel plants and others.

7. It has been argued by the importers that the product under consideration at the time of initiation of investigation was "Metallurgical Coke made out of low ash coal" but the product described in preliminary findings is "Metallurgical Coke" and thus the Authority has enlarged the scope of investigation. However, it can be seen that all interested parties to the investigation have all throughout agreed that the Chinese coke alleged to have been dumped into India has low ash content. The Authority, therefore, considers that there is no enlargement of the scope of the investigations and all metallurgical coke originating in or exported from China PR is covered under the scope of the present investigations. "

Authority notes that there are no changed circumstances in the period of investigation (POI) set out for the sunset review with regards to the product under consideration. The period of investigation of one financial year from April 2001 to March 2002 was the closest and most appropriate period before the initiation notification of 7<sup>th</sup> May 2002 was issued to initiate Sunset review regarding anti dumping duty imposed on Metcoke from China. Importers and users have raised the issue of rise in export prices of Metcoke from April 2002 onwards and have quoted various journals to substantiate their claims, invoices for the period have also been submitted to indicate increased prices after the POI however, for the purposes of the investigation all relevant parameters during the POI would be taken into account. Post POI period events can at best be treated as trends without any material impact on the studies during POI. The Authority would retain the scope of product under consideration as in the original investigation (low ash Metallurgical Coke) and limit itself only to the issue of the need for continued imposition of the anti dumping duty as envisaged in Section 9A(5) of The Customs Tariff Act, 1975, such that cessation of such duty does not lead to continuation or recurrence of dumping and injury.

### C. LIKE ARTICLE

As per Rule 2(d), "Like Article" has been defined as under :-

"Like Article" means an article which is identical or alike in all respect to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respect, has characteristics closely resembling to those articles under investigation."

In the final findings of the original investigation Authority had observed :-

"11. With regard to the issue of 'like article', it has been contended by the exporters and the importers that the metcoke produced by the Industries and Commerce Association (ICA) has very high ash content and, therefore, the same cannot be called as a like article to the metcoke imported from China. It has also been mentioned that the other technical specifications are also different to an extent that the user industries cannot substitute the Chinese coke with the metcoke produced by ICA.

12. On the other hand, detailed representations have been made by the petitioners that the two products are technically and commercially substitutable and therefore like articles within the scope of the definition. The Authority, however, observes that both the petitioner industries as well as the importers and exporters have agreed that one of the main features of metcoke is its ash content. Coke made out of Indian coal has high ash content ranging from 20% to 40%, while the coke made out of imported coal and the imported coke by themselves have low ash content. Therefore, it is the admitted position from both sides that metcoke can be broadly divided into two categories namely, coke produced from Indian coal and imported coke/coke produced from imported coal. In fact, the Authority observes that PIMA has, in its written submission, also made the above categorization.

13. The Authority also observes that the production process for both the above categories is same and the ash content of the metcoke depends upon the blend of the coal used for the purpose. Blending of different varieties of coal is done to arrive at the desired level of ash content in the finished product i.e. metcoke. The Authority observes that there have been instances where the blast furnaces have used the high ash content metcoke also even though they have mainly preferred to use the imported Chinese coke with low ash content. The claims made by the domestic industry that the pig iron manufacturers were using coke made from Indian coal in the past, particularly in the period prior to 1992, remains uncontroverted.

14. In view of the above, the Authority concludes that there is considerable evidence to suggest that the variation in the technical composition, particularly the ash content, does not make it technically impossible for all the user industries to use the high ash content metcoke. The argument that the user industry has not placed any orders during the period of investigation does not have any bearing on the aspect of technical substitutability of the Indian metcoke with the Chinese metcoke. Even the opinion of the technical experts does not categorically state that the substitution of the two categories of metcoke is not possible. The opinions expressed by the experts merely indicate that use of high ash content metcoke in the production of pig iron will lead to high slag generation etc., and that the commercial viability of the MBFs is entirely dependant upon the use of low ash content Chinese metcoke. The Authority observes that for determining the "like article", it is the substitutability which is of paramount importance and not the actual substitution, the latter may be a relevant factor from the injury point of view.

15. Some user industry groups like manufacturers of ductile iron pipes, ferro alloys have indicated that the metcoke required by them has to have some other physical as well as chemical properties. For instance, it has been indicated by the ductile iron pipes industry that the phosphorus content in the metcoke required by them should be less than 0.035%. While it is appreciated that certain industries may have special requirements, anti-dumping rule do not permit analysis on the

basis of specific end users when there is a high degree of substitution possible among different types of user industries. The Authority therefore is not in a position to make any separate categorisation for users with special requirements.

16. In view of the above, the Authority holds that even though the members of ICA mainly produce metcoke which is not substitutable to the low ash content metcoke for some uses, these producers are capable of manufacturing low ash content metcoke depending upon the quality and source of coal used by them. However, it is also observed that the members of ICA had not produced significant quantities of low ash content metcoke either from good quality Indian coal or from imported coal. However, the petitioner BLA Industries Ltd. has produced significant quantities of Low Ash Content Metcoke for a specific segment of end users in the domestic market.

17. The Authority, therefore, holds that it is only the production of low ash content metcoke which is "like article" to the imported Chinese coke. The contention of the exporter/importers that high ash content metcoke should not be considered as like articles, has considerable force and is accepted in view of the facts and circumstances of the case.

18. In addition to the above, the Authority also observes that the standard input-output norms of the Directorate General of Foreign Trade wherein for production of pig iron (blast furnaces), one of the inputs shown is low ash content metcoke (with ash content below 15%). The Authority is inclined to agree with the exporters/importers that only metcoke with ash content of 15% and below, irrespective of its producer in India, is a "like article" to the imported Chinese coke. The Authority, therefore, concludes that metcoke with an ash content of 15% and below, irrespective of its producer in India is a "like article" to the imported Chinese coke."

During the Period of Investigation of the Sunset review there are no changed circumstances with respect to the issue of like article. Quality of metcoke produced is a direct determinant of the coking coal used as raw material. Based on the end use, stringent quality of the metcoke can be provided with existing technology and capacities. There is possibility of high degree of substitutability, mixing and interchangeability of the product under consideration among different types of user industries with requirement of varying size, physical properties, moisture, ash, volatile matter, phosphorous and sulphur. The subject goods required by the users with specific and stringent requirement can also be used by other users with less stringent requirements with or without any conversion, provided there is price advantage in procurement of such subject goods. Under the circumstances, Authority would retain the definition of like article (metcoke with ash content of 15% and below, irrespective of its producer ) as in the original investigation for purposes of examination of the need for continued imposition of the anti dumping duty as envisaged in Section 9A(5) of The Customs Tariff Act,



1975, such that cessation of such duty does not lead to continuation or recurrence of dumping and injury of the subject goods from the subject country.

#### D. Domestic Industry

1. The Authority in its Final findings dated 27<sup>th</sup> August 1998 had held four domestic producers viz. M/s BLA, M/s Southern Fuels, M/s Wellman and M/s Gujarat NRE as representing the Domestic Industry. In the period of investigation of the sunset review the following structure of the domestic industry emerges.

Name of Company	POI 2001-02	% of total production	Ash content
<b>Petitioners Companies</b>			
BLA Industries Ltd.	78223	6.6	Less than 15%
Sesa Kembla Coke Co. Ltd.	102800 #	8.8	Less than 15%
Gujarat NRE Coke Ltd.	126953	10.8	Less than 15%
Antai Balaji Coke Pvt. Ltd.	92606	7.9	Less than 15%
Saurashtra Fuels Ltd.	86788	7.4	Less than 15%
	<b>487370</b>	<b>41.5</b>	
<b>Supporting Companies</b>			
Durgapur Project Ltd.	181088		Both variants more than 15% and less than 15%
		15.5	
Southern Fuel Ltd.	5168	0.4	Less than 15%
Industries & Commerce Association*	500000		More than 15%
		42.6	
	<b>686256</b>	<b>58.5</b>	
<b>Total of Petitioners and Supporters</b>			
	<b>1173626</b>		
* Estimated Figures			
# To the extent of sale in the domestic market			

This does not include those companies who produce coke primarily for captive consumption viz. RINL, SAIL, TISCO.

Membership of the petitioner companies as well as the supporting companies with the IMCOM is claimed as follows :

<u>Sr. No.</u>	<u>Company Name</u>	<u>Whether member of IMCOM</u>
1.	Antai Balaji Coke Ltd.	YES
2.	BLA Industries Ltd	YES
3.	Gujarat NRE Coke Ltd.	YES
4.	Saurashtra Fuels Pvt. Ltd	YES
5.	Sesa Kembla Coke Co. Ltd.	NO
6.	Southern Fuels Ltd.	YES
7.	Durgapur Projects Ltd.	YES

The Authority would consider IMCOM with the petitioner companies BLA Industries Ltd., Sesa Kembla Coke Co. Ltd., Gujarat NRE Coke Ltd., Antai Balaji Coke Pvt. Ltd., Saurashtra Fuels Ltd. as the domestic industry for the purpose of this review as standing is not a determinant in sunset reviews conducted under 9(A)5 of Customs Tariff Act.

#### **E. DUMPING MARGIN**

Normal value in relation to an article implies

- (i) Comparable price, in ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory.
- (ii) When there are no sale of the like articles in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market, of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either
  - (a) Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory to an appropriate third country, or
  - (b) The cost of production of the subject goods in the country of origin along with reasonable addition for the administrative, selling and general costs and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6)

Provided that in the case of imports of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

The Authority sent questionnaires to all the known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with section with 9A(1)(c) of the Custom Tariff Act.

### **MARKET ECONOMY TREATMENT :**

**Examination by Authority :** The Authority examined the submission made by the exporters for treatment as operating under Non Market/ Market economy conditions in China PR. Prevalant Rules governing such treatment are as under:

#### **(Position Under Indian Law at time of initiating matter):**

*Rule 8. (1) The term "non-market economy country" means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in subparagraph (3)*

*(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti-dumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a non-market economy country.*

*Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in subparagraph (3).*

*(3) The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether :*

*(a) the decisions of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;*

*(b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system,*

*in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;*

*(c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and*

*(d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate:*

*Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph".*

### **1. Normal Value**

The four exporters represented by M/s Dua Associates

- Shanghai Baosteel International Economy & Trading Co
- Shanxi Antai International Trading Co. Ltd
- Shanxi Resources International Corporation
- Shanxi Coking limited Co.

**have not exported Metcoke to India to date.** They had neither participated in the original investigation nor had exported metcoke to India in the period of investigation of this Sunset review . Hence, for the purposes of determination of Normal Value of the subject goods data of these four exporters are not being considered.

The seven exporters represented by M/s Singhania & Co

- Minmetals Townlord Technologies Co.ltd, Beijing (*erstwhile China National Minerals Import & Export Corporation*)
- Sinochem International Co. ltd Shanghai (*new company*)
- CNC Coke & Chemicals ltd (*erstwhile China National Coal Industry Imp. & Exp. Corp.*)
- China Metallurgical Import & Export Hebei Company
- China North Industries Corporation.
- Shanxi Minmetals Industrial & Trading Co. ltd (*new company*)
- Shanghai Cooking & Chemical Corporation (*erstwhile Shanghai Pacific Chemical Group Co. Ltd*)

have only M/s Shanghai Cooking & Chemical Corporation with its own manufacturing factory. Remaining six exporters are trading companies and do not have their own manufacturing factory.

The authority notes that seven of the exporters/ producers from China have provided domestic price and export price to India of subject goods. The information is deficient to the extent that information related to Appendix 5 to Appendix 9 of the Exporters questionnaire has not been submitted by any of the companies. Annual Accounts of the companies have been submitted in Chinese language. The Accounting standards and the accounting policy of the companies have not been submitted. Information related to Appendix 1 to Appendix 4 is partial. There are instances where although the company is a trading company, it is showing production capacity. Accounts submitted do not relate to the POI. The Authority notes that the Domestic Industry have claimed that China has been treated as a non-market economy in the number of cases by USA. The exporting companies have not rebutted the claim of non-market economy made by the domestic industry with adequate substantiation. The Authority notes that as per the extant provisions the non market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy on the basis of the criteria specified in Sub-paragraph 3 of Para 8 to Annexure-1 of the Rules. The authority notes that exporters have provided no such information or evidence to substantiate their submissions.

- The authority, therefore, in view of non-substantiation of the claims of the exporters' arguments effectively leading to non-rebuttal by the exporter on the issue of non-market economy and the fact that the cost of production of the subject goods has made available by the exporter is not reliable thus, not permitting the Authority to apply the ordinary course of trade test, decides to reference the normal value by the petitioner on the basis of the constructed cost of production with appropriate adjustment vide Para 7 of Annexure I of the Anti Dumping Rules.

- The authority has constructed Normal Value, where information was not available or reliable, on the basis of facts available and standard bench marks vide Rule 6 (8) of Anti Dumping Rules.

The Authority concludes the Normal Value of metcoke in China as US \$ \*\*\*\*\* per/MT.

## **2. Export price**

The Authority has referenced the export price with adjustments on packaging, inland freight, storage, handling, taxes, ocean freight, ocean insurance and documentation cost as provided by the different exporters for the subject goods during the period of investigation as per the Para 5 of the Annexure I of the Anti Dumping Rules.

To work out the export price at the ex factory level for each of the exporter the Authority has referenced the export prices(CIF) claimed by the respective exporters and made adjustments with respect to internal freight , storage/handling, Taxes (as claimed) and Inspection (as claimed) for the stage before FOB and commission, Ocean freight, Marine insurance and handling for the stage after FOB. Wherever the information was not available, vide Rule 6(8) of the Anti Dumping Rules, expenses have been assumed on the basis of facts available to work out the final export price of the respective exporter at the ex factory level.

The authority in view of this concludes that the export's price of Metcoke from China is US\$ \*\*\*\*\*per/MT after allowing the adjustments as mentioned above separately for the seven exporters .

## **3. DUMPING MARGIN:**

The comparison of the normal value and the export price shows the average dumping margin of 74.5% ranging from 48.8% to 96.4% for the seven exporters of Metcoke from China PR.

Country-China PR	Normal Value	Export Price	Dumping Margin
Minmetals Townlord Technologies Co.ltd	*****	*****	64.9%
Sinochem International Co. ltd Shanghai	*****	*****	84.5%
CNC Coke & Chemicals ltd	*****	*****	60.5%
China Metallurgical Import & Export Hebei Company	*****	*****	96.4%
China North Industries Corporation	*****	*****	72.5%
Shanxi Minmetals Industrial & Trading Co.	*****	*****	93.7%
Shanghai Cooking & Chemical Corporation	*****	*****	48.8%
Others	*****	*****	96.4%

## F. INJURY ANALYSIS

The test which is required to be applied in a sunset review case is to, examine the likelihood of *continuation or recurrence* of dumping and injury in terms of Section 9A(5) of the Customs Tariff Act.

A. Indian LAMC producers are meeting around 23 % of the total requirement of the Metcoke in the country. Cost of production of Metcoke had increased between the original investigation and the sunset review . In an average the domestic Industry is able to utilize only 74% of its capacity. Although capacity utilization has increased compared to the years preceding the POI, reasons for not using up the entire capacity in light of huge domestic demand could be attributed to the market which has been displaced because of cheap imports from China PR. Import of Metcoke to India has increased by 60% in the last four years.

B. Manufacturers of Iron and Steel through the Blast furnace route (19<sup>th</sup> May 2000) and Ferro Alloy industry ( 3<sup>rd</sup> January 2003) had been granted exemption from payment of Anti Dumping Duty under Section 25(1) of the Customs Tariff Act, in addition to the differential customs duty enjoyed by the Manufacturers of Iron and Steel through the Blast furnace route. Between 1998-99 to 2001-02 customs duty on metcoke has increased from 10% to 15% (in 1999 -2000). Thus almost 2.6 million MT of Metcoke requirement is met partly through imports which does not attract any anti dumping duty and also attracts concessional customs duty.

C. In the most widely quoted minutes (by the Ferro Alloy and the Pig Iron Manufacturers) of the two meetings held by Secretary (Steel) on 17<sup>th</sup> September 1998 and 25<sup>th</sup> November 1999 there seems to be contradiction in terms of Ferro Alloy Industry not being the principal market in the minutes dated 17<sup>th</sup> September 1998 whereas the same Ferro Alloy Industry has been treated as a principal market for the domestic metcoke industry in the minutes dated 25<sup>th</sup> November 1999. Marketing arrangements with the

domestic Metcoke industry has also been referred to which although was not mutually accepted on commercial grounds but it does bring to light the fact that the domestic metcoke can be used by both the user segments viz. Pig Iron and Ferro Alloy Industries.

D. Quality of metcoke produced is a direct determinant of the coking coal used as raw material. Based on the end use, stringent quality of the metcoke can be provided with existing technology and capacities. There is possibility of high degree of substitutability, mixing and interchangeability of the product under consideration among different types of user industries with requirement of varying size, physical properties, moisture, ash, volatile matter, phosphorous and sulphur. The subject goods required by the users with specific and stringent requirement can also be used by other users with less stringent requirements with or without any conversion, provided there is price advantage in procurement of such subject goods.

The Authority considered all the arguments of various interested parties for examination of injury to the domestic industry. The Authority has taken into account the following parameters while examining continued injury to the domestic industry:-

### Injury Analysis

		1999-2000	2000-2001	2001-2002 (POI)
1.	Imports from (Rs. in lakh)			
	Subject countries	44309 (54%)	72088 (84%)	54207 (69%)
	Other countries	37721	13901	24235
	Total imports	82030	85989	78442
2.	Installed capacity (MT) (Index 1998-99 = 100)	130	157	182
3.	Production MT	144	222	258
4.	Sales quantity MT	152	209	282
5.	Capacity utilisation %	57.8	73.4	73.4
6.	Closing stock of finished goods	108	206	156
7.	Sales value	143.57	206	277
8.	Sales realisation	94	99	99
9.	Cost of production	92	90	96
10.	Profit/loss	276	281	(-)142
11.	Captive consumption	-	-	-
12.	Export sale	100	50.58	-
13.	Demand	100	121	123
14.	Market share %	14.19	17.37	22.88
15.	Employment	100	77.6	90.1
16.	Investment	100	110.5	116.2
17.	Net worth	100	108.3	109.1
18.	Capital investment for expansion	100	57.8	69.9
19.	Return on Investment	100	165	(-)56

1. Imports of subject goods have remained almost consistent in absolute terms despite imposition of Anti Dumping Duties.



2. Market share of imports from the subject countries in total imports in India had increased first and then decreased during POI.
3. Though production, capacity utilization and sales of the domestic industry increased, it could not achieve the optimal levels. The capacity utilization of the domestic industry remained low, considering the demand in the market and capacities created.
4. The imports are causing price undercutting and price under selling in the market because of displacement of its traditional market.
5. The landed value of imported material is below the non injurious price of the domestic industry causing price suppression in the Indian market.
6. Return on investment is sub optimal compared to industry standards.
7. Domestic industry as a whole is incurring financial losses as a result of dumping of subject goods despite increase in both selling price and cost of production because of price under cutting. This has impacted the cash flow also.
8. The domestic industry is not able to expand its capacities, raise fresh capital or plan new investments.
9. Even though the domestic industry has posted some positive growth, it has to be seen that the same is significantly sub-optimal, considering the increasing demand in the market and capacities created by the petitioner which it could not use fully because of the displacement of market.
10. Employment has slightly decreased where as productivity and wages have increased.

Thus despite anti dumping duty in place imports are coming at dumped prices. There is positive injury margin. Apart from the price effect of the injury, price undercutting and price underselling due to cheap landed price compared to the fair selling price of the domestic industry, displacement in market has not allowed the domestic industry to use its entire capacity to meet the domestic demand of Metcoke and grow on its own to cater to the remaining vast domestic demand despite making some investments. The Authority is convinced that cessation of the existing anti dumping duty on Metcoke may cause recurrence of dumping of the subject goods from the China PR into India directly or through other exporting channels.

#### **G. Landed Value**

The landed value has been determined for the subject goods after adding to the weighted average c.i.f. price the applicable level of customs duties (except duties levied under Section 3, 3 (A), 8B, 9, 9(A) and 1% towards landing charges.

3275-11/03-8

**H. Non-Injurious price**

While determining the non-injurious price for the like articles for the domestic industry, the Authority has used the actual verified cost of production of the subject goods to determine optimum cost of production for the domestic industry taking into account the normated best consumption norms of all the participating domestic industry and the actual price of the raw materials which are consumed for the production of the subject goods during the period of investigation. For calculation of injury margin, the authority compared the weighted average ex-factory non-injurious price of the subject goods determined for the period of investigations with the landed value of imported goods.

**I. Duty upto dumping margin:**

The Authority recommends the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry.

**J. INTEREST OF INDIAN INDUSTRY AND OTHER ISSUES**

- i) The Authority holds that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.
- ii) The Authority also recognizes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary it will help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods at fair prices. It has been stated by the interested parties that export prices of Metcoke have gone up to the range of US\$ 150-170 after April 2002 (post POI period). Anti Dumping Duties are levied, in order to arrest dumping which causes injury to domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the domestic market. It aims to redress the unfair advantages gained by dumping practices and prevent the decline of the domestic industry. Imposition of such duties would not restrict imports from the subject countries nor would they affect the availability of the product to the consumers. Normally, fair competition on the Indian market is not reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry, as and when subject goods are exported at dumped prices from subject countries.

- iii) The Authority notes that the imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from China PR in any way, and, therefore would not affect the availability of the product to the consumers. The Authority in an Anti Dumping investigation is required to establish the presence of dumping, material injury to the industry and the causal link of such injury from imports from the subject country. The affect on the relative competitiveness of any other industry if anti dumping duties are levied is beyond the purview of the Authority's investigation.

## **K. CONCLUSION**

It is seen, after considering the foregoing that:

- a) The subject goods originating in or exported from the subject countries have been exported to India below Normal Value, resulting in dumping.
- b) The Authority has constructed the normal value of metcoke in China PR based on the information furnished by the exporters and the information available with the Authority in view of incomplete and insufficient response by the exporters/producers from China PR in spite of specific requests for information.
- c) Injury has been caused by imports of subject goods from the subject countries. The Authority is of the opinion that cessation of the existing anti dumping duty on the subject goods may cause recurrence of dumping of the subject goods from the subject country into India.
- d) It is considered necessary to continue definitive anti-dumping duty on imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.
- e) The Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duties on all imports of metallurgical coke originating in or exported from the People's Republic of China. The anti-dumping duty shall be the difference between US\$ 119.13 and the landed price of imports per MT.
- f) It is considered to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or lower so as to remove the injury to the domestic industry accrued on account of dumping. Accordingly, it is proposed that definitive anti-dumping duties equal to the difference between the amount of Column 9 of the Table below and the landed value of subject goods in US\$/MT be imposed by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from subject countries under Chapter 27 04 of the Customs Tariff Act.

Sl. No	Sub-heading	Description of goods	Specification	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amt of Duty = Reference Price (indicated below) less Landed Value (USD/MT)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	2704	Metallurgic -al Coke	Low Ash Metallurgical coke with ash content less than 15%	China PR	China PR	Shanghai Cooking Chemical Corporation	Any	119.13
2.	2704	Metallurgic -al Coke	Low Ash Metallurgical coke with ash content less than 15%	China PR	Any country except China PR	Shanghai Cooking Chemical Corporation	Any	119.13
3.	2704	Metallurgic -al Coke	Low Ash Metallurgical coke with ash content less than 15%	Any country except China PR	China PR	Shanghai Cooking Chemical Corporation	Any	119.13
4.	2704	Metallurgic -al Coke	Low Ash Metallurgical coke with ash content less than 15%	China PR	China PR	Any producer except Shanghai Cooking Chemical Corporation	A, B, C, D, E, F**	119.13
5.	2704	Metallurgic -al Coke	Low Ash Metallurgical coke with ash content less than 15%	China PR	Any country except China PR	Any producer except Shanghai Cooking Chemical Corporation	A, B, C, D, E, F**	119.13

6.	2704	Metallurgic -al Coke	Low Ash Metallurgical coke with ash content less than 15%	Any country except China PR	China PR	Any produc -er except Shanghai Cooking Chemical Corporation	A, B, C, D, E, F**	119.13
7.	2704	Metallurgic -al Coke	Low Ash Metallurgical coke with ash content less than 15%	China PR	China PR	Any produc -er except Shanghai Cooking Chemical Corporation	Any exporter Except A, B, C, D, E, F**	119.13
8.	2704	Metallurgic -al Coke	Low Ash Metallurgical coke with ash content less than 15%	China PR	Any country except China PR	Any produc -er except Shanghai Cooking Chemical Corporation	Any exporter Except A, B, C, D, E, F**	119.13
9.	2704	Metallurgic -al Coke	Low Ash Metallurgical coke with ash content less than 15%	Any country except China PR	China PR	Any produc -er except Shanghai Cooking Chemical Corporation	Any exporter Except A, B, C, D, E, F**	119.13

- \*\* A- Minmetals Townlord Technologies Co.ltd, Beijing  
 B- Sinochem International Co. ltd Shanghai  
 C- CNC Coke & Chemicals ltd  
 D- China Metallurgical Import & Export Hebei Company  
 E- China North Industries Corporation.  
 F- Shanxi Minmetals Industrial & Trading Co. ltd

- g) An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold(Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act supra.

L.V. SAPTHARISHI, Designated Authority